

## अर्थव्यवस्था की स्थिति\*

जारी भू-राजनीतिक संकट ने वैश्विक व्यष्टि-आर्थिक और वित्तीय परिदृश्य के बारे में अनिश्चितता को बढ़ा दिया है, यहां तक कि विश्व अर्थव्यवस्था महामारी से उबरने के लिए संघर्ष कर रही है। जैसे-जैसे संघर्ष बढ़ रहा है, वैसे-वैसे तेल और अन्य कमोडिटी की कीमतें कई-वर्ष के उच्च स्तर पर पहुंच गयी हैं, और वित्तीय बाजार बड़े पैमाने पर बिकवाली से प्रेरित हैं। इस कष्टकर समय में, भारतीय अर्थव्यवस्था प्लवन का अनुभव कर रही है क्योंकि यह महामारी की तीसरी लहर से उबर रही है। मांग की स्थिति में सुधार के साथ-साथ उपभोक्ता और कारोबारी विश्वास बढ़ रहा है। आपूर्ति पक्ष पर नजर डालें तो, सुदृढ़ कृषि क्षेत्र और औद्योगिक एवं सेवा दोनों क्षेत्रों में निरंतर वापसी बहाली को विस्तार दे रही है।

### भूमिका

वैश्विक आर्थिक संभावनाएं बहुत अधिक अनिश्चितता से भरी हुई हैं और भू-राजनीतिक संघर्ष से अधोगामी जोखिमों से घिरी हुई हैं तथा दुनिया भर में इसका असर हो रहा है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब देश अभी भी महामारी से जूझ रहे हैं। भू-राजनीतिक जोखिम में वृद्धि, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और वैश्विक वित्तीय बाजारों में तेज अस्थिरता अपरिपक्व वैश्विक वसूली को बाधित कर सकती है। यह झटका ऐसे समय में भी लगा है, जब कई देशों में महंगाई बढ़ गई है। इसके अलावा, मौद्रिक नीति के सामान्य होने के साथ, वैश्विक वित्तीय स्थितियाँ और सख्त हो सकती हैं। अभिग्रहण छोर पर उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाएं (ईएमई) हैं, जो पहले से ही मुद्रा मूल्यहास, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर बिकवाली और धीमी वृद्धि से जूझ रही हैं।

\* यह लेख योगेश एचसी, शशिधर एम. लोकरे, कुणाल प्रियदर्शी, राजीव जैन, विनीत कुमार श्रीवास्तव, हर्षिता केशन, सत्यार्थ सिंह, कृष्ण मोहन कुशवाहा, रमेश बलिराम गोलाईत, प्रशांत कुमार, जोबिन सेबेस्टियन, सक्षम सूद, सत्यम कुमार, जितेंद्र सोकल, जिबिन जोस, अवंनीश कुमार, आशीष संतोष खोबरागडे, रमेश कुमार गुप्ता, रोहन बंसल, देब प्रसाद रथ और समीर रंजन बेहरा द्वारा तैयार किया गया है। इस लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और जरूरी नहीं कि वे भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व करते हों।

पिछले महीने में कुछ नरमी के बाद जब तीसरी लहर अपने चरम पर थी तब फरवरी 2022 में भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर रही। 15 मार्च 2022 तक, हालांकि, तीसरी लहर तेजी से कम हो गई, जिसमें दैनिक संक्रमणों का 7-दिन का औसत 3,500 से नीचे गिर गया। टीकाकरण के मोर्चे पर, 96.0 प्रतिशत वयस्क आबादी को पहली खुराक के साथ टीका लगाया गया है, जबकि 82.3 प्रतिशत को दोनों खुराकें दी गई हैं। अर्थव्यवस्था के गति पकड़ने से उपभोक्ता विश्वास के पुनर्निर्माण में मदद मिली है, जैसा कि अखिल भारतीय अर्थव्यवस्था निगरानी केंद्र (सीएमआईई) उपभोक्ता रुख सूचकांक में परिलक्षित होता है, जो शहरी और ग्रामीण दोनों घटकों में महामारी की पहली लहर के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

खुदरा और मनोरंजन गतिविधि, किराना और औषधालयों, पार्कों, कार्यस्थलों और ट्रांजिट स्टेशन के आसपास गतिशीलता महामारी के पहले के स्तरों से ऊपर है। फरवरी 2022 में नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स अपने उच्चतम स्तर पर चढ़ने के साथ, बीमा और खुदरा क्षेत्रों में बहाली में तेज वृद्धि के साथ, जॉब मार्केट में तेजी बनी रही। लंबी अवधि की सुस्ती के बाद ऑटो उद्योग में रोजगार में पुनर्बहाली हुई है, जबकि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), आतिथ्य और वित्तीय सेवाओं में भर्ती मजबूत रही। फरवरी 2022 में, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत राजस्व संग्रह लगातार दूसरे महीने ₹1.3 लाख करोड़ का आंकड़ा पार कर गया। ई-वे बिल जारी करने की रफ्तार तेज रही।

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी दूसरे अग्रिम अनुमानों ने खाद्यान्न उत्पादन को रिकॉर्ड 316.1 मिलियन टन रखा। मुख्य विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) फरवरी में लगातार 8वें महीने विस्तार क्षेत्र में रहा और नए ऑर्डर और उत्पादन में तेजी से एक महीने पहले इसमें मामूली सुधार हुआ। कारोबारी विश्वास में सुधार के साथ, मुख्य सेवाएं पीएमआई लगातार सातवें महीने विस्तार के क्षेत्र में रही। फरवरी का माल निर्यात लगातार बारहवें महीने में 30 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया और 400 बिलियन अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य आश्चर्यजनक दूरी के भीतर प्रतीत होता है। डिजिटल स्पेस के माध्यम से भुगतान तेजी से बढ़ा। रिजर्व बैंक ने 8 मार्च 2022 को दो प्रमुख पहलें शुरू की: (i) UPI123Pay, जो फीचर फोन

उपयोगकर्ताओं के लिए यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) भुगतान करने का विकल्प प्रदान करेगा; और (ii) डिजी साथी जो कि डिजिटल भुगतान उत्पादों में उपयोगकर्ताओं के प्रश्नों को हल करने के लिए 24x7 हेल्पलाइन है।

इस पृष्ठभूमि में, शेष आलेख को चार खंडों में संरचित किया गया है। खंड II वैश्विक अर्थव्यवस्था में तेजी से हो रहे घटनाक्रम को दर्शाता है। घरेलू समष्टि आर्थिक स्थितियों का आकलन खंड III में प्रस्तुत किया गया है। खंड IV में भारत में वित्तीय स्थितियों की समीक्षा की गयी है, जबकि अंतिम खंड में आलेख का निष्कर्ष दिया गया है।

## II. वैश्विक हालात

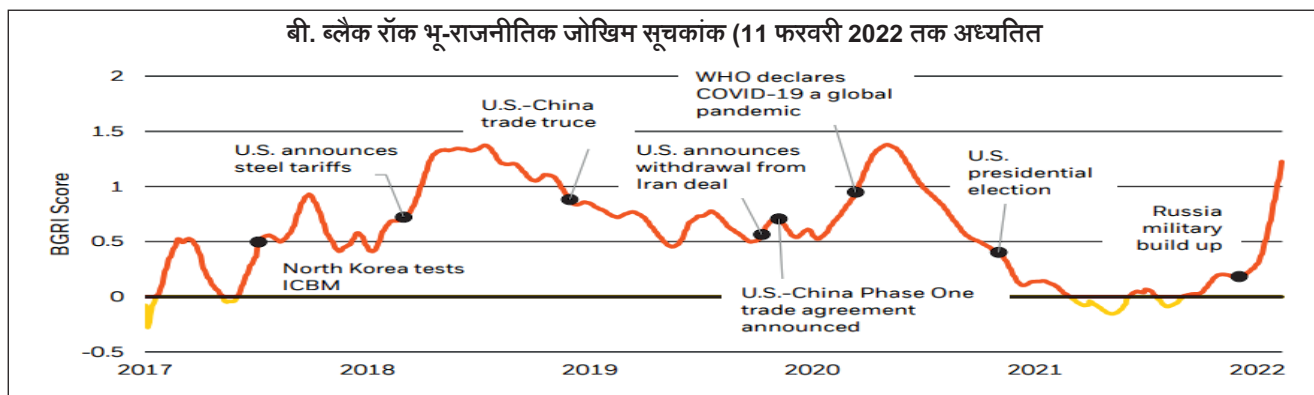
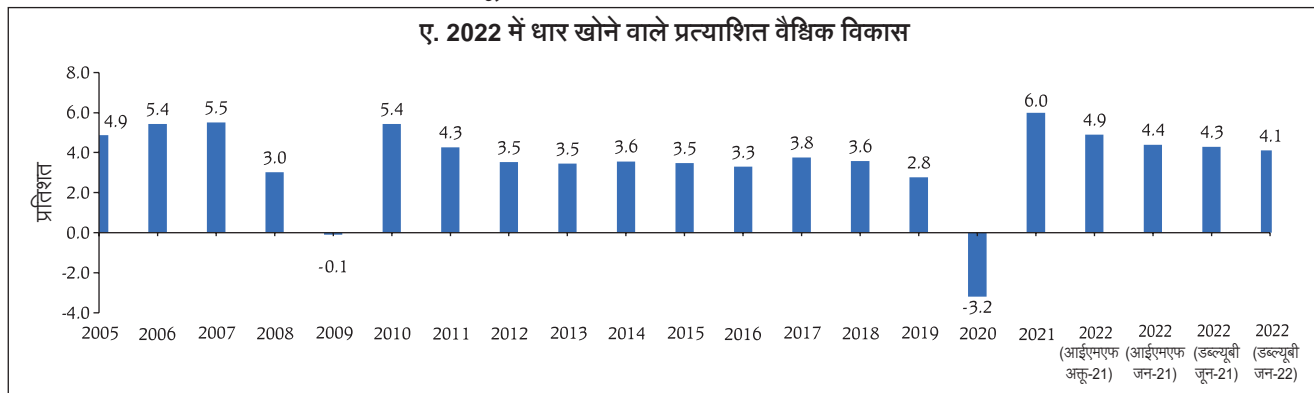
यूक्रेन में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था विकट प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना कर रही है। तेल की कीमतें कई साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई थीं, वित्तीय बाजार बढ़त पर हैं, जो सुरक्षित निवेश आस्तियों, विशेष रूप से सोने में बड़े पैमाने पर

खरीदारी से प्रेरित हैं। ऐसी उथल-पुथल के बीच, तीव्र मुद्रास्फीति और वित्तीय अस्थिरता जोखिमों के साथ वैश्विक संवृद्धि संबंधी दृष्टिकोण खराब होता जा रहा है।

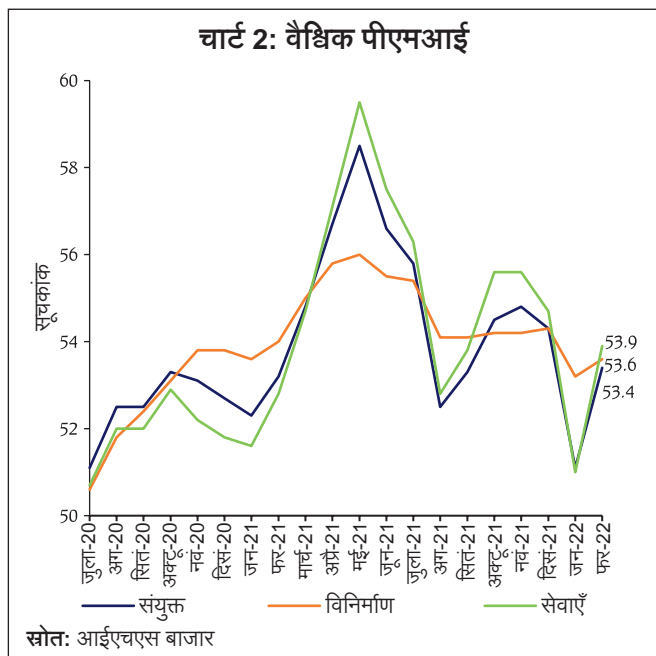
चल रहे संघर्ष के शीघ्र समाधान के अभाव में, वैश्विक सुधार पर इस संकट का प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जिससे 2022 और उससे आगे के लिए वैश्विक संवृद्धि के अधोमुखी संशोधन की आवश्यकता हो सकती है (चार्ट 1)।

फरवरी के लिए वैश्विक समग्र पीएमआई 53.4 पर रहा जो कि जनवरी के उड़ साल के निचले स्तर 51.1 से ऊपर आया था, क्योंकि नए ऑर्डर और रोजगार में तेजी आई, और कारोबार संबंधी आशापूर्ण दृष्टि लगभग रिकॉर्ड उच्च स्तर तक जा पहुंचा (चार्ट 2)। विनिर्माण और सेवाओं दोनों ने गति पकड़ी, जिसमें सेवा क्षेत्र ने पिछले 11 महीनों में दसवीं बार विनिर्माण क्षेत्र को पीछे छोड़ दिया। जापान को छोड़कर अधिकांश देशों ने आर्थिक गतिविधियों

चार्ट 1 भू-राजनीतिक जोखिम और वैश्विक विकास



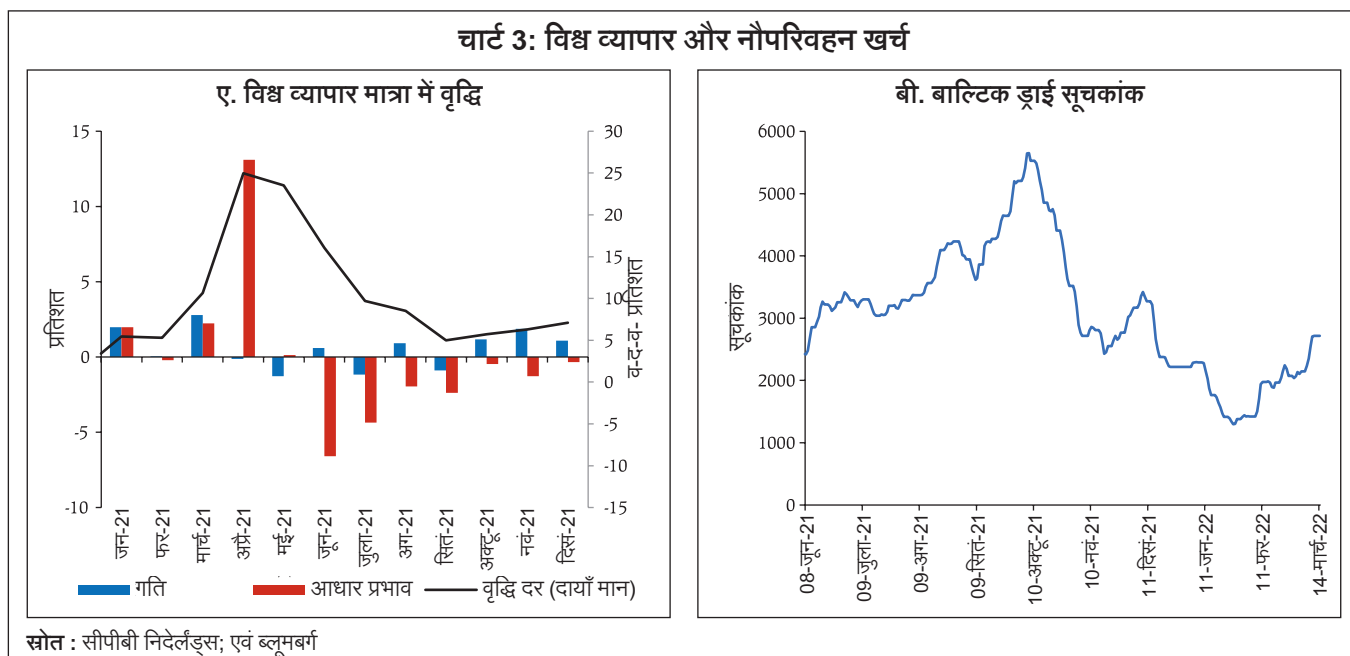
स्रोत : आईएमएफ, विश्व बैंक; ऑक्सफोर्ड अर्थव्यवस्था और ब्लैक रॉक निवेश संस्थान



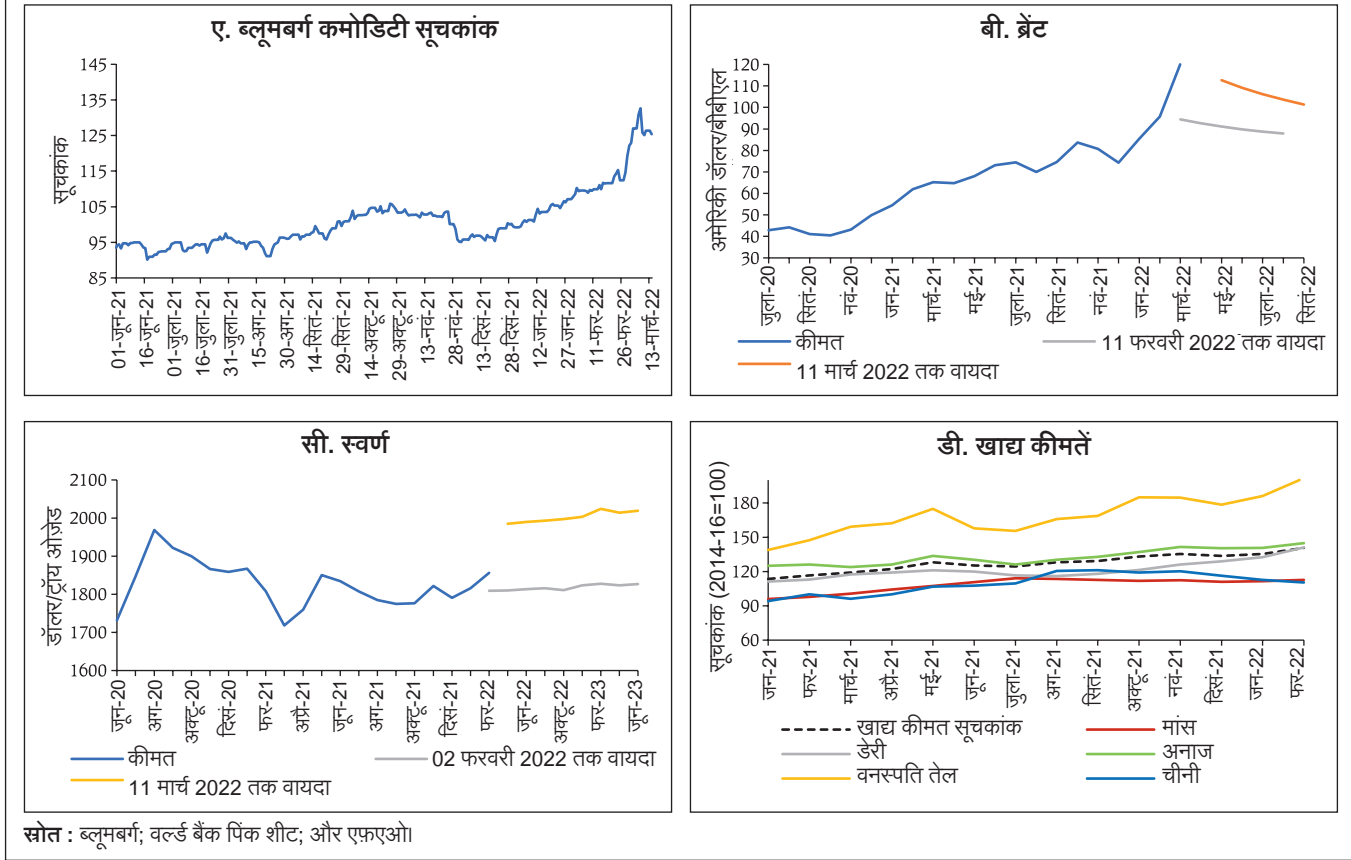
बाहरी मोर्चे पर, संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) के वैश्विक व्यापार अपडेट 2022 से पता चलता है कि वर्ष 2021 की चौथी तिमाही के दौरान वैश्विक व्यापार वृद्धि में तेजी आई, जबकि तात्कालिक अनुमान से पता चलता है कि वर्ष 2022 की पहली तिमाही के दौरान व्यापार वृद्धि धीमी हो जाएगी। सीपीबी वर्ल्ड ट्रेड मॉनिटर के मासिक डेटा से इसकी पुष्टि होती है (चार्ट 3ए)। बाल्टिक ड्राई इंडेक्स, जो शुष्क थोक वस्तुओं के लिए शिपिंग शुल्क का एक माप है, ने फरवरी 2022 में बढ़त को दर्शाया और भू-राजनीतिक दबावों के कारण काला सागर में विशेष रूप से रूसी और यूक्रेनी बंदरगाहों में नए व्यवधानों के कारण यह बढ़ना जारी है (चार्ट 3 बी)।

ब्लूमबर्ग कमोडिटी प्राइस इंडेक्स में उछाल जारी रहा और फरवरी के अंतिम सप्ताह में 120 अंक को तोड़कर सात साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया (चार्ट 4ए)। आपूर्ति की कमी बढ़ने से कच्चे तेल, निकल, एल्युमीनियम और गेहूं की कीमतों में तेजी आई। जुलाई 2021 की मासिक आपूर्ति बढ़ाने की योजना पर टिके रहने से ओपेक प्लस ने पूरी तरह से आपूर्ति के नुकसान और ओपेक प्लस के युद्ध के जोखिम के जोखिम के साथ, कच्चे तेल की कीमतें दस साल के उच्च स्तर पर पहुंच गईं, जो मार्च की शुरुआत में यूएस डॉलर 118 प्रति बैरल को छू लिया (चार्ट 4 बी)।

में विस्तार का संकेत दिया, जिसने पिछले अगस्त के बाद से अपनी सबसे तेज दर पर उत्पादन संविदा देखा। 5 मार्च को, चीन ने वर्ष 2022 के लिए लगभग 5.5 प्रतिशत के अपने वृद्धि लक्ष्य की घोषणा की - जो 30 वर्षों में सबसे कम है - क्योंकि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव संपत्ति संकट और कमजोर खपत के दबाव को बढ़ाते हैं।



चार्ट 4: कमोडिटी और खाद्य कीमतें

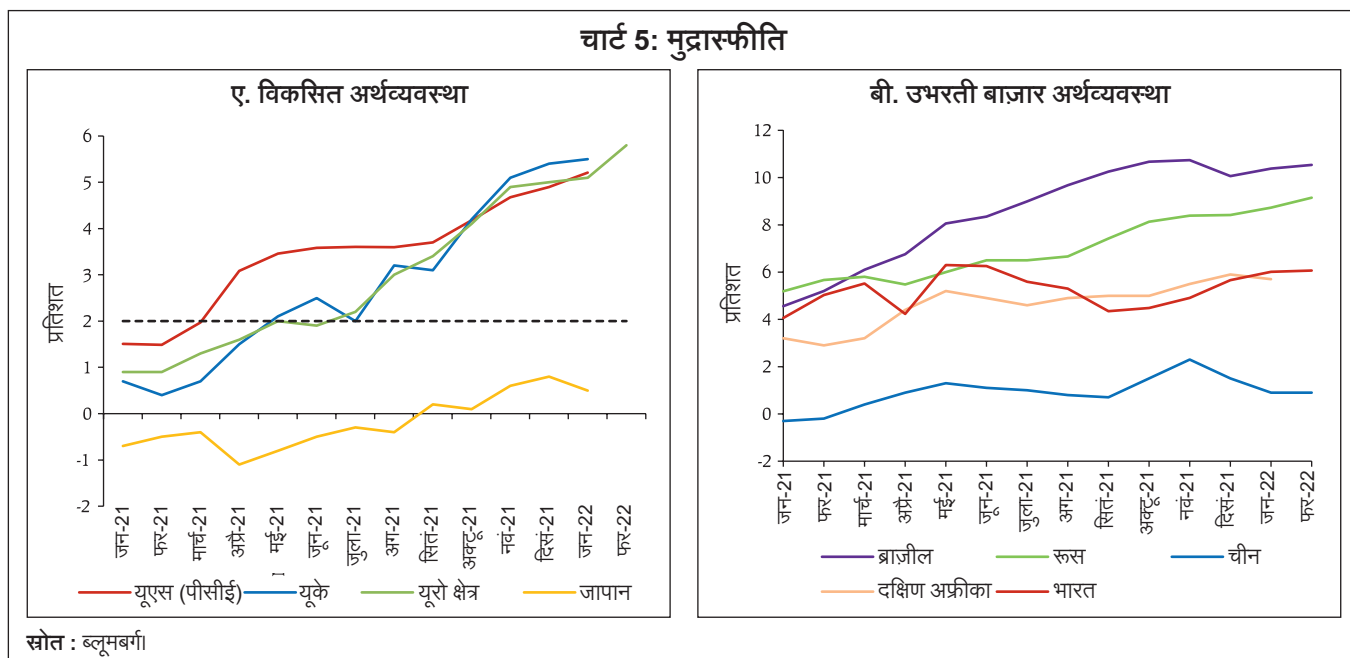


फरवरी से सुरक्षित निवेश की मांग सोने की कीमतों को बढ़ा रही है (चार्ट 4सी)। फरवरी 2022 में 140.7 पर एफएओ खाद्य मूल्य सूचकांक जनवरी की तुलना में 3.9 प्रतिशत अधिक था और अब तक के उच्चतम स्तर पर था, जो बड़े पैमाने पर वनस्पति तेलों और डेयरी उप-सूचकांक द्वारा संचालित था (चार्ट 4डी)।

तप आपूर्ति श्रृंखला, उच्च ऊर्जा, खाद्य और पण्य वस्तुओं की कीमतों और घटते वेतन दबावों की पृष्ठभूमि में लागत दबाव के तेज होने के साथ सभी अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति में वृद्धि जारी रही (चार्ट 5)। फरवरी 2022 में यूएस सीपीआई मुद्रास्फीति बढ़कर 40 साल के उच्च स्तर 7.9 प्रतिशत हो गई। मूल सीपीआई मुद्रास्फीति भी फरवरी में 6.4 प्रतिशत के करीब 40 साल के उच्च स्तर पर थी, जिसमें मुख्य योगदान आश्रय, और इस्तेमाल की गई कारों और ट्रकों का था। मजदूरी का दबाव, जैसा कि 1983 के बाद से 2021 के लिए 4.5 प्रतिशत की सबसे तेज वार्षिक वेतन वृद्धि में परिलक्षित होता है, किराये की कीमतों में वृद्धि के साथ-साथ व्यक्तिगत उपभोग व्यय (पीसीई) मूल्य

सूचकांक मुद्रास्फीति में जनवरी 2022 में सालाना आधार पर 6.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 40 साल में सर्वाधिक है। साथ ही, मूल पीसीई मुद्रास्फीति एक साल पहले की तुलना में बढ़कर 5.2 प्रतिशत हो गई, जो अप्रैल 1983 के बाद सबसे अधिक है। फरवरी 2022 में 5.8 प्रतिशत के नए उच्च स्तर पर पहुंचने के लिए ऊर्जा की कीमतों में भारी वृद्धि, विशेष रूप से तब प्राकृतिक गैस की कीमतों में वृद्धि के कारण यूरो क्षेत्र की मुद्रास्फीति बढ़ी। जापान की मुद्रास्फीति मुख्य रूप से आवास लागत में कमी और कम मोबाइल शुल्क के कारण जनवरी में कम हुई, जो 2 प्रतिशत के लक्ष्य से नीचे रही। ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं में, ब्राजील की मुद्रास्फीति बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गई, जबकि चीन की मुद्रास्फीति 0.9 प्रतिशत पर स्थिर रही। दूसरी ओर, फरवरी 2022 में रूस की वार्षिक मुद्रास्फीति दर बढ़कर 9.15 प्रतिशत हो गई, जो जनवरी 2016 के बाद सबसे अधिक है, जो अब केंद्रीय बैंक के 4 प्रतिशत के लक्ष्य से दोगुने से अधिक है। पश्चिम द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों और कच्चे माल की कमी के बीच मुद्रास्फीति जोखिम ऊपर की ओर झुका हुआ है।

चार्ट 5: मुद्रास्फीति



फरवरी के उत्तरार्ध से दुनिया भर के निवेशकों को चिंतित करने वाले भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि के कारण वैश्विक वित्तीय बाजार में अनियंत्रित गिरावट हो रही है। फरवरी के अंतिम सप्ताह में, एमएससीआई वर्ल्ड इक्विटी इंडेक्स मार्च 2021 के स्तर तक गिर गया, जो उन्नत अर्थव्यवस्था (एई) और उभरती बाजार अर्थव्यवस्था (ईएमई) स्टॉक इंडेक्स दोनों में गिरावट की वजह से हुआ था, हालांकि बाद में अधिक तेजी से गिर गया। यूरोपीय स्टॉक इंडेक्स ने फरवरी में एई के बीच सबसे खराब प्रदर्शन किया, जो रूस की ऊर्जा आपूर्ति पर क्षेत्र की भारी निर्भरता को दर्शाता है जबकि रूसी स्टॉक इंडेक्स ने ईएमई में सबसे खराब प्रदर्शन किया। रूस के शेयर बाजारों में 28 फरवरी से कारोबार ठप है (चार्ट 6ए)।

बॉन्ड बाजारों में, यूएस 10-वर्षीय खजाना प्रतिफल ने बाद के महीने में अपने अपट्रेंड को उलट दिया क्योंकि खजाना प्रतिभूतियों की मांग सुरक्षा की वजह से बढ़ी और आक्रामक दरों में बढ़ोतरी की उम्मीदें मार्च की शुरुआत में कांग्रेस के समक्ष फेड अध्यक्ष के बयान के बाद कम हुईं (चार्ट 6बी)। सुरक्षित निवेश की मांग के बीच फरवरी की दूसरी छमाही से अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ, जबकि कुछ कमोडिटी निर्यातकों को छोड़कर, ईएमई मुद्राएं विपरीत दिशा में चली गईं। विशेष रूप से, रूसी रूबल अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सबसे कमजोर मूल्य पर गिर गया, जो

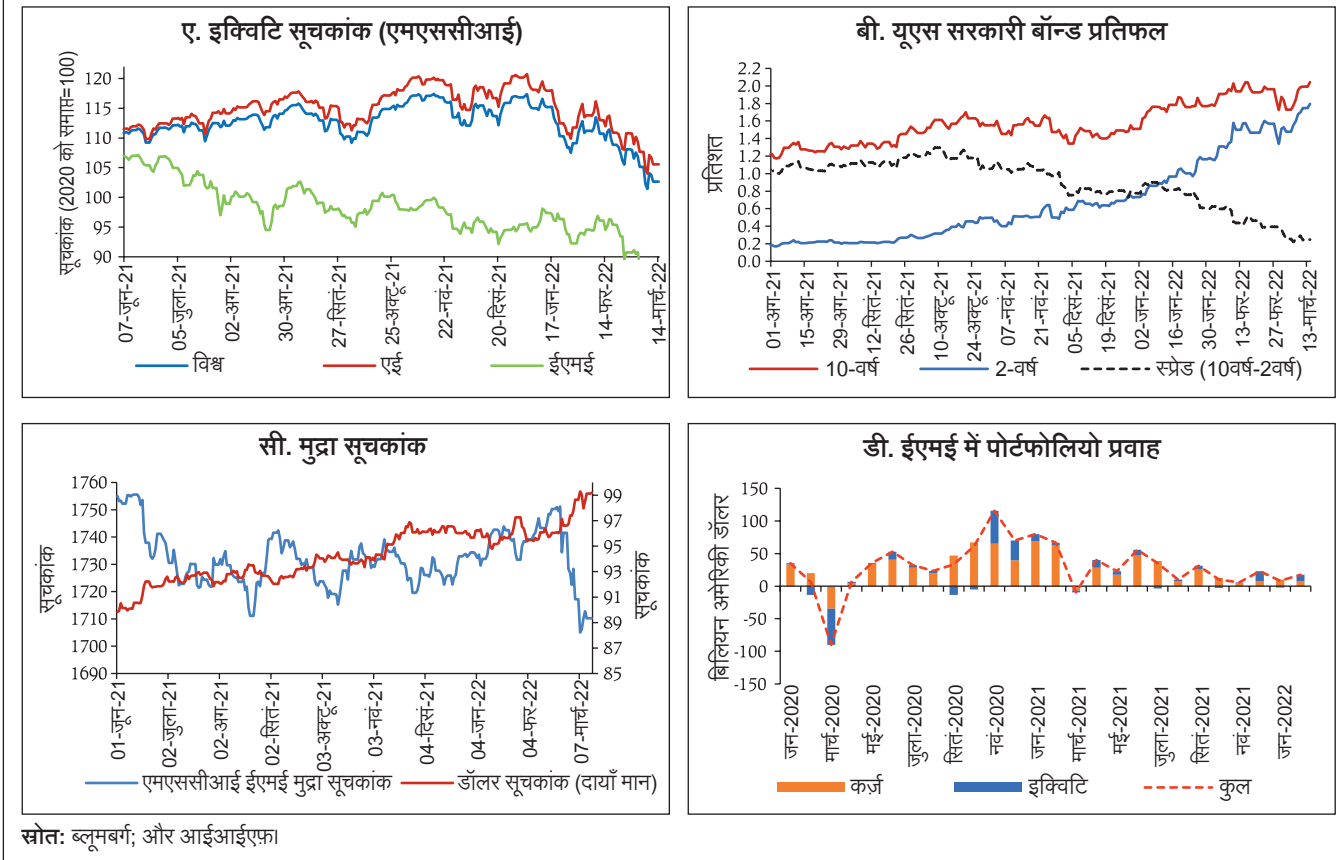
फरवरी के अंतिम सप्ताह में 30 प्रतिशत से अधिक मूल्यहास हुआ है (चार्ट 6सी)।

वैश्विक वित्तीय बाजार में उथल-पुथल के बावजूद, जनवरी में 8.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में फरवरी 2022 में ईएमई को पोर्टफोलियो पूंजी प्रवाह 17.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंस के अनुसार, सख्त मौद्रिक स्थितियों, भू-राजनीतिक टकरावों और महामारी से कुछ ईएमई में धीमी बहाली के संबंध में निवेशकों की बढ़ती चिंताओं के बीच चीन के बाहर उभरती बाजार प्रतिभूतियों (स्टॉक और बॉन्ड) में विदेशी निवेश कम हो गया (चार्ट 6डी)। साथ ही, अधिकांश ईएमई ने मार्च के पहले सप्ताह में, विशेष रूप से ऋण खंड में निवल पूंजी बहिर्वाह देखने को मिला।

पिछले एक सप्ताह में वैश्विक वित्तीय बाजारों में बेतहाशा उतार-चढ़ाव के कारण अस्थिरता सूचकांक, जो मार्च 2020 के आसपास महामारी की शुरुआत में चरम पर था, और भी अधिक बढ़ गया (चार्ट 7 और सारणी 1)।

फरवरी और मार्च में अब तक (14 तारीख तक) मौद्रिक नीति की कार्रवाइयां सामान्यीकरण या विराम की दिशा में तैयार की गई थीं। फेड ने आस्ति खरीद को बंद कर दिया है और मार्च में निकालने के लिए तैयार है। यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) ने अपने

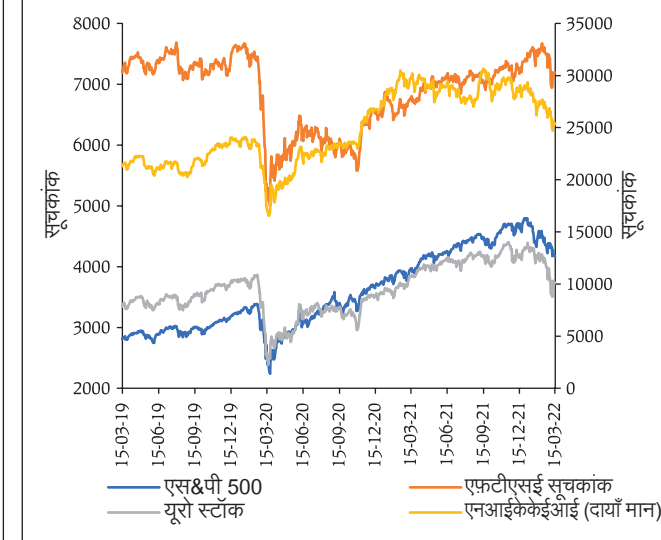
चार्ट 6 : वित्तीय बाजार



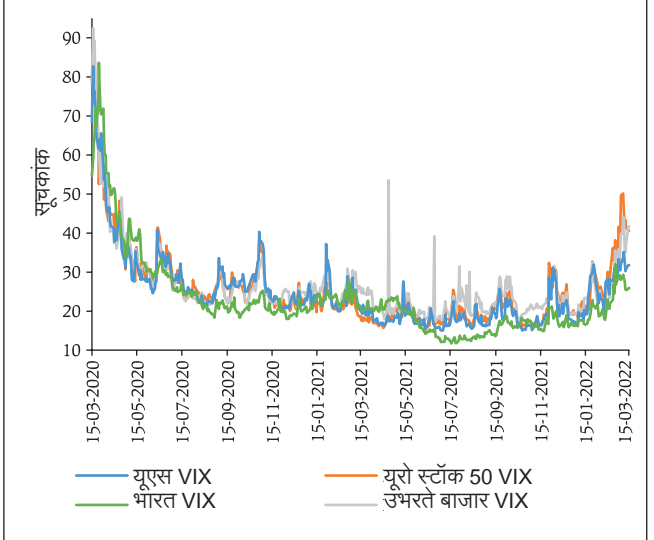
चल रहे आस्ति खरीद कार्यक्रम (एपीपी) का समर्थन किया है, जबकि तीसरी तिमाही में एपीपी के तहत निवल खरीद के संभावित

निष्कर्ष की घोषणा की है कि क्या मध्यावधि मुद्रारूपीति दृष्टिकोण कमजोर नहीं होगा। रिजर्व बैंक ऑफ न्यूजीलैंड और बैंक ऑफ

चार्ट 7 ए. वैश्विक इक्विटी



चार्ट 7 बी. परिवर्तन मान



**सारणी 1 : वैश्विक आर्थिक नीति अनिश्चितता (ईपीयू)**

	जन-21	फर-21	मार्च-21	अप्रै-21	मई-21	जून-21	जुला-21	अग-21	सितं-21	अक्टू-21	नव-21	दिसं-21	जन-22	फर-22
विश्व ईपीयू	180	140	119	126	152	181	199	213	202	192	223			
यूएस ईपीयू	216	154	177	123	130	113	130	124	120	110	135	357	302	334
यूरोप ईपीयू	232	185	217	179	141	153	197	187	206	198	247	298	259	

नोट: यूरोप ईपीयू में 5 यूरोपीय देश शामिल हैं – जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, इटली, और स्पेन। सूचकांक के आंकड़े बेकर, ब्लूम एवं डी (2016) पर आधारित हैं।

स्रोत: www.policyuncertainty.com

कनाडा ने फरवरी 2022 और मार्च 2022 में क्रमशः 25 बीपीएस की दर से दरें बढ़ाईं। अधिकांश ईएमई केंद्रीय बैंकों ने भी अपनी नीति को कड़ा करना जारी रखा, जिसमें मेक्सिको भी शामिल है जिसने फरवरी में अपनी बेंचमार्क ब्याज दर में 50 बीपीएस की बढ़ोतरी की। 28 फरवरी 2022 को एक आपातकालीन कदम के तौर पर बैंक ऑफ रूस ने बाह्य परिवेश में गिरावट और मुद्रा मूल्यहास और उच्च मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिमों के कारण अपनी प्रमुख दर को 10.5 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया (चार्ट 8)। दूसरी ओर, पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना लगातार दो महीने की ढील के बाद रुक गया, जबकि सेंट्रल बैंक ऑफ द रिपब्लिक ऑफ तुर्की ने लगातार दूसरे महीने ठहराव को बनाए रखा।

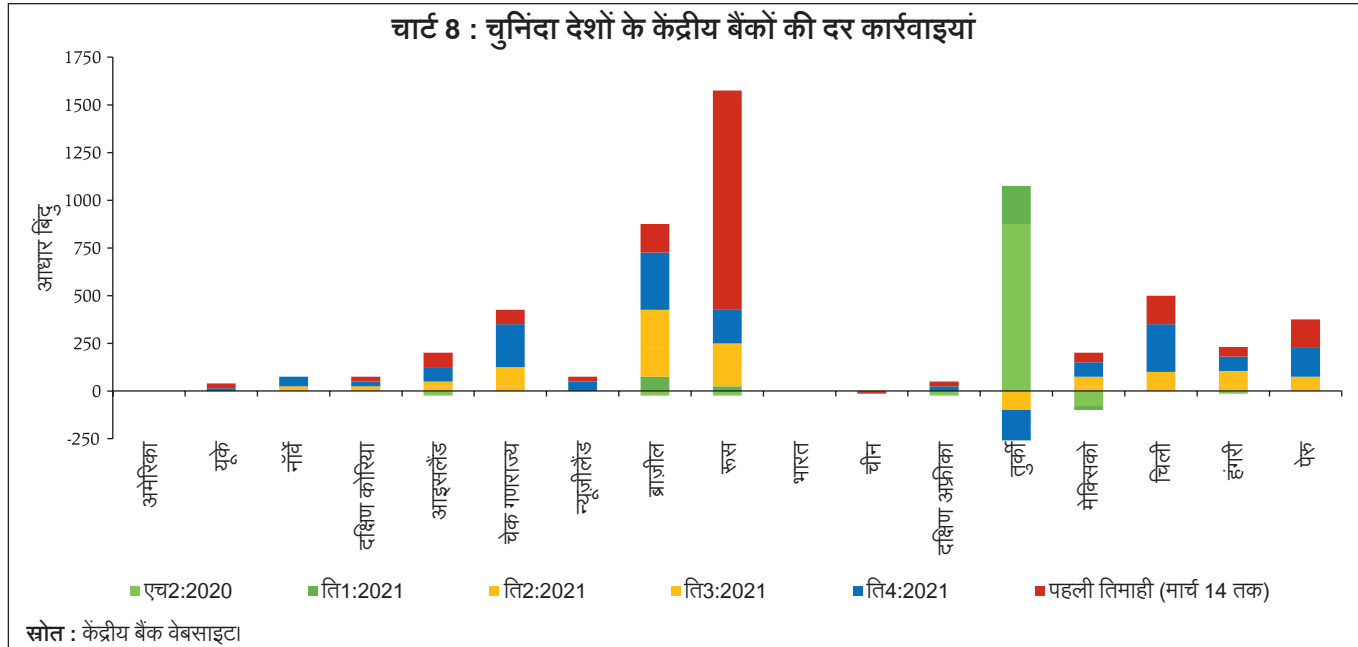
बहाली को पटरी पर बनाए रखने के लिए दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों को मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने की कड़ी चुनौती का

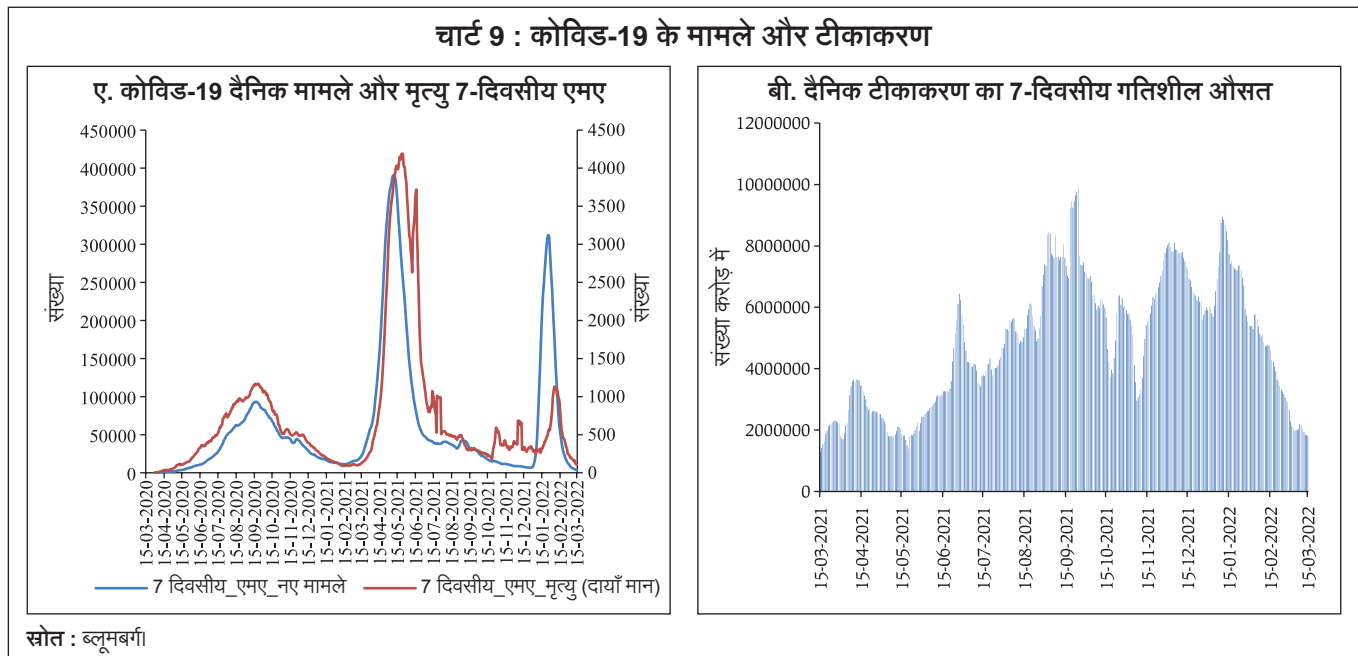
सामना करना पड़ रहा है। बढ़ी हुई अनिश्चितता में घिरे आर्थिक दृष्टिकोण के साथ, ईएमई के लिए जोखिम तेज हो गए हैं क्योंकि पूंजी बहिर्वाह, वैश्विक चलनिधि सख्त होने और बिगड़ते भू-राजनीतिक माहौल से बाहरी परिस्थितियां तेजी से कम अनुकूल होती जा रही हैं।

### III. घरेलू घटनाक्रम

दैनिक कोविड -19 मामलों में तेजी से गिरावट हुई है और 21 जनवरी 2022 से दैनिक संक्रमण कम हो गया है और 15 मार्च 2022 को 3,000 से कम हो गया है, जो 20 जनवरी, 2022 को 3.47 लाख और वयस्क आबादी का 82.3 प्रतिशत है और 15-18 वर्ष के आयु वर्ग के 3.4 करोड़ से अधिक बच्चों का पूर्ण टीकाकरण हो गया है, जिसकी वजह से महामारी की तीसरी लहर थम गई है (चार्ट 9)। अधिकांश स्थानों पर लोगों और सामानों की आवाजाही पर प्रतिबंध हटा दिया गया है। सेवा क्षेत्र के

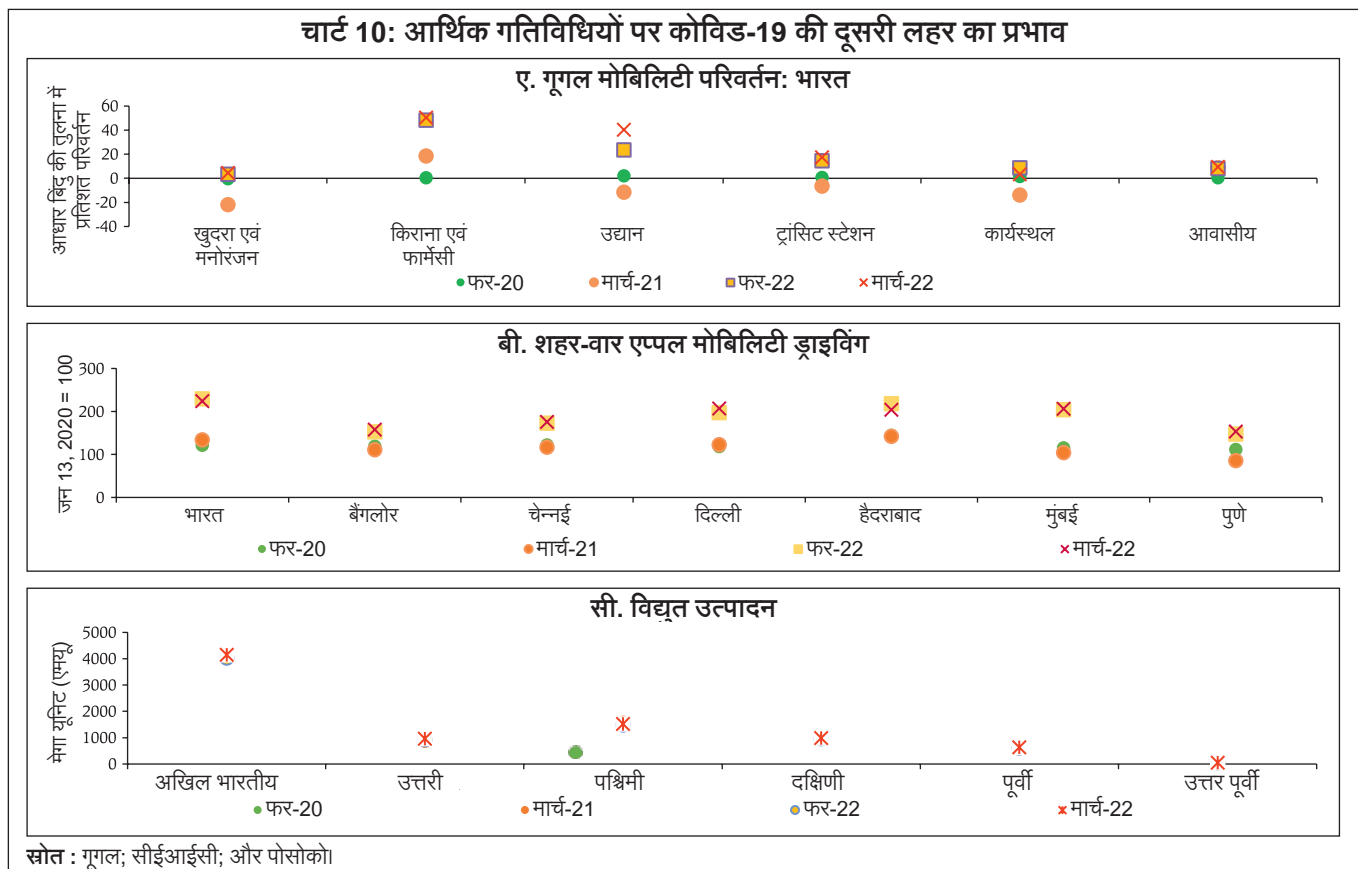
**चार्ट 8 : चुनिंदा देशों के केंद्रीय बैंकों की दर कार्रवाइयां**





आउटलेट जैसे रेस्तरां और सिनेमा हॉल धीरे-धीरे सामान्य संचालन फिर से शुरू कर रहे हैं।

एक साल पहले की तुलना में मार्च 2022 में गतिशीलता संकेतक से महत्वपूर्ण सुधार देखने को मिलता है (चार्ट 10ए)। मार्च में (4 मार्च तक) एप्पल मोबिलिटी इंडेक्स भी अधिक था।



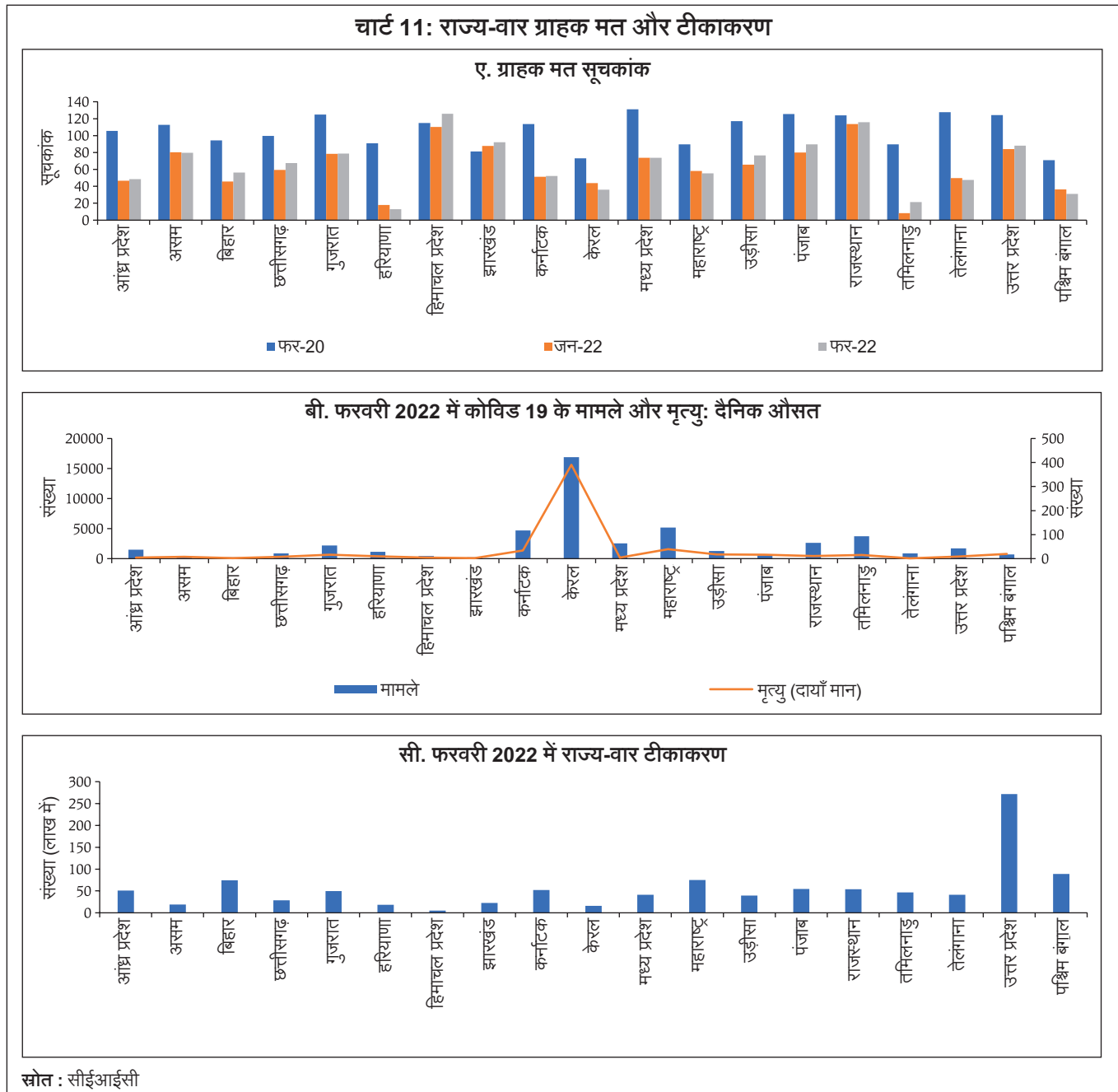


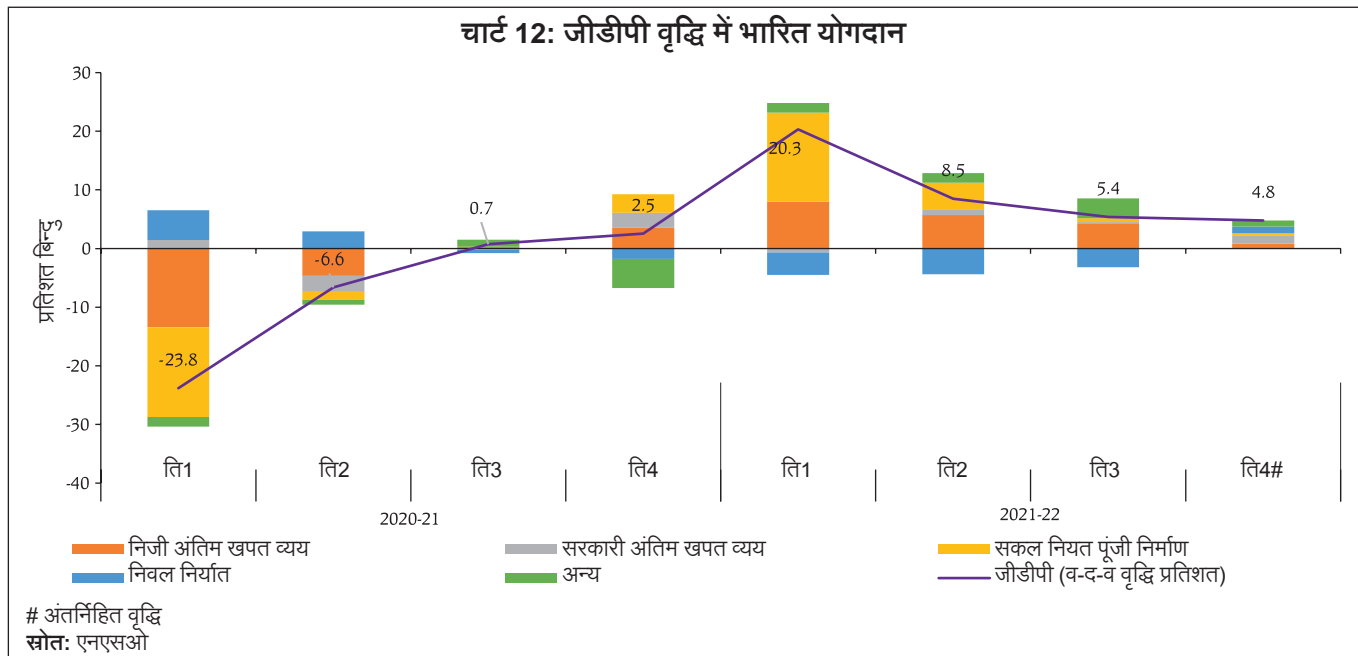
(चार्ट 10बी)। गतिशीलता में सुधार और सेवा क्षेत्र के आउटलेट के खुल जाने से मार्च में बिजली उत्पादन में वृद्धि हुई, जो पिछले महीने के स्तर और महामारी से पहले के स्तर से अधिक थी (चार्ट 10सी)।

परिणामस्वरूप, फरवरी 2022 में अधिकांश राज्यों में उपभोक्ता रुख में सुधार हुआ (चार्ट 11)।

**कुल मांग**

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा 28 फरवरी को जारी दूसरे अग्रिम राष्ट्रीय आय अनुमानों (एसएई) के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था ने 2021-22 में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो पहले अग्रिम अनुमान (एफएई) से 30 आधार अंकों की गिरावट है। स्तर के संदर्भ में वास्तविक जीडीपी वर्ष 2019-20 के



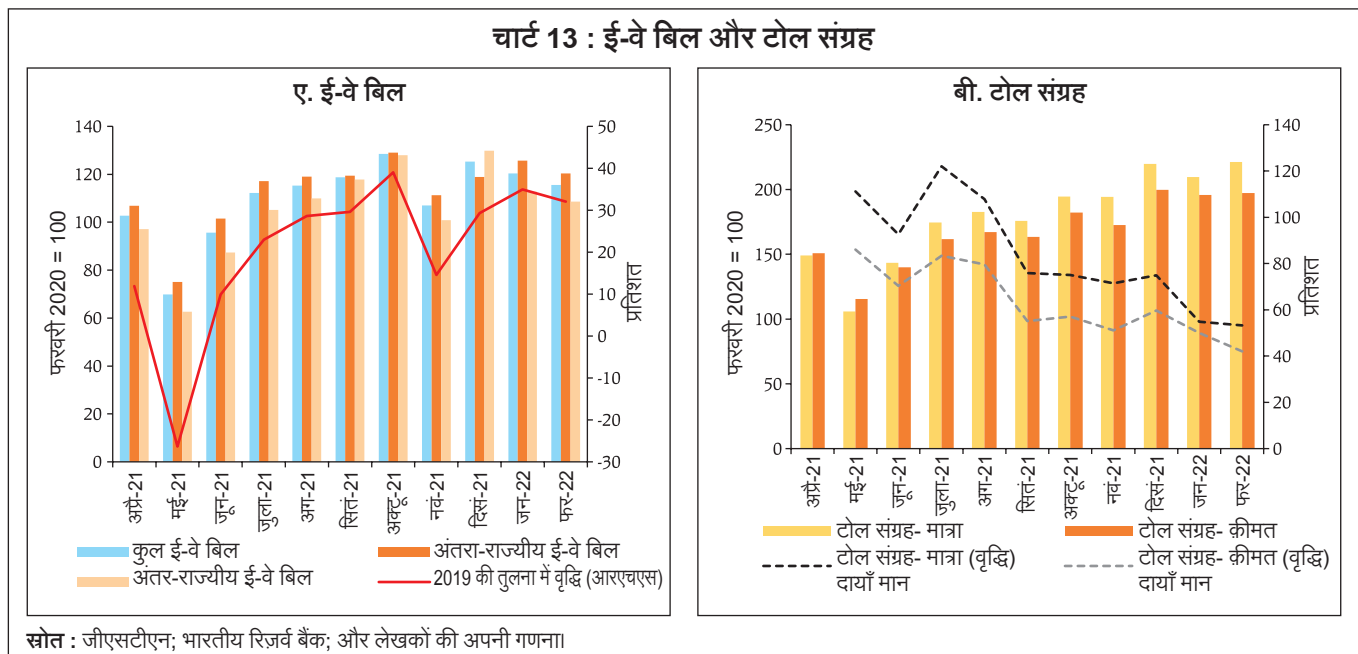


महामारी के पहले स्तर से 1.8 प्रतिशत से अधिक हो गया। बहाली व्यापक रूप से आधारित थी क्योंकि निजी खपत सहित कुल मांग के सभी घटक महामारी से पहले के अपने-अपने स्तर को पार कर चुके हैं।

वास्तविक जीडीपी के घटकों के संबंध में, निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई) ने वर्ष 2021-22 की तीसरी तिमाही के दौरान 7.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। निर्माण गतिविधि में गिरावट

के साथ, सकल स्थिर पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) घटकर 2.0 प्रतिशत रह गया। निर्यात और आयात दोनों में वर्ष 2021-22 की तीसरी तिमाही में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज करने के लिए स्थिर गति बनी रही (चार्ट 12)।

ई-वे बिल जनरेशन महामारी से पहले के स्तरों से ऊपर रहा (चार्ट 13 ए)। आधारभूत प्रभाव के घटने के बावजूद फरवरी 2022 में टोल संग्रह में भी वृद्धि हुई (चार्ट 13बी)।

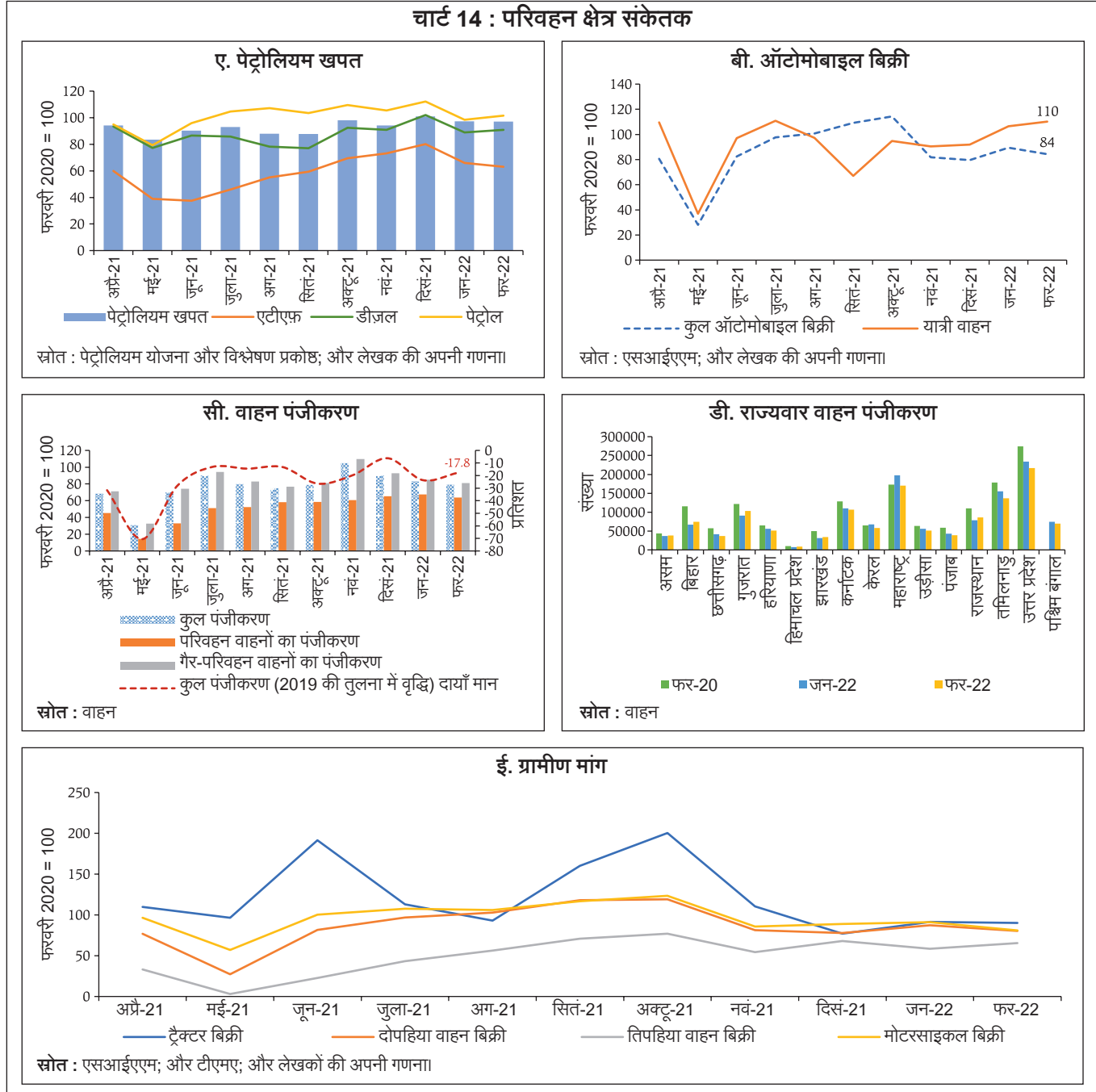


फरवरी 2022 में गतिशीलता की बहाली ने डीजल और पेट्रोल की खपत को बढ़ा दिया, हालांकि एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) में गिरावट ने कुल पेट्रोलियम खपत को कम कर दिया (चार्ट 14ए)।

दोपहिया वाहनों की बिक्री में गिरावट के कारण फरवरी में ऑटोमोबाइल की बिक्री में नरमी आई, यहां तक कि मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) से यात्री वाहनों के थोक प्रेषण में वृद्धि दर्ज

की गई (चार्ट 14बी)। सभी खंडों में ट्रकों के प्रेषण में भी सुधार हुआ, जो परिवहन क्षेत्र में निरंतर सुधार का संकेत देता है। इनपुट मुद्रास्फीति और उच्च खुदरा ईंधन की कीमतों से निपटने के लिए ओईएम द्वारा कीमत वृद्धि ने पूंजीगत उपकरणों के स्वामित्व की लागत में वृद्धि की है। वितरण में ज्यादा समय लगाने से पंजीकरण बाधित हुआ जिससे ऑटोमोबाइल की खुदरा बिक्री स्थिर रही (चार्ट 14सी)। ऑटोमोबाइल क्षेत्र के मामले में, फरवरी 2022 में

**चार्ट 14 : परिवहन क्षेत्र संकेतक**

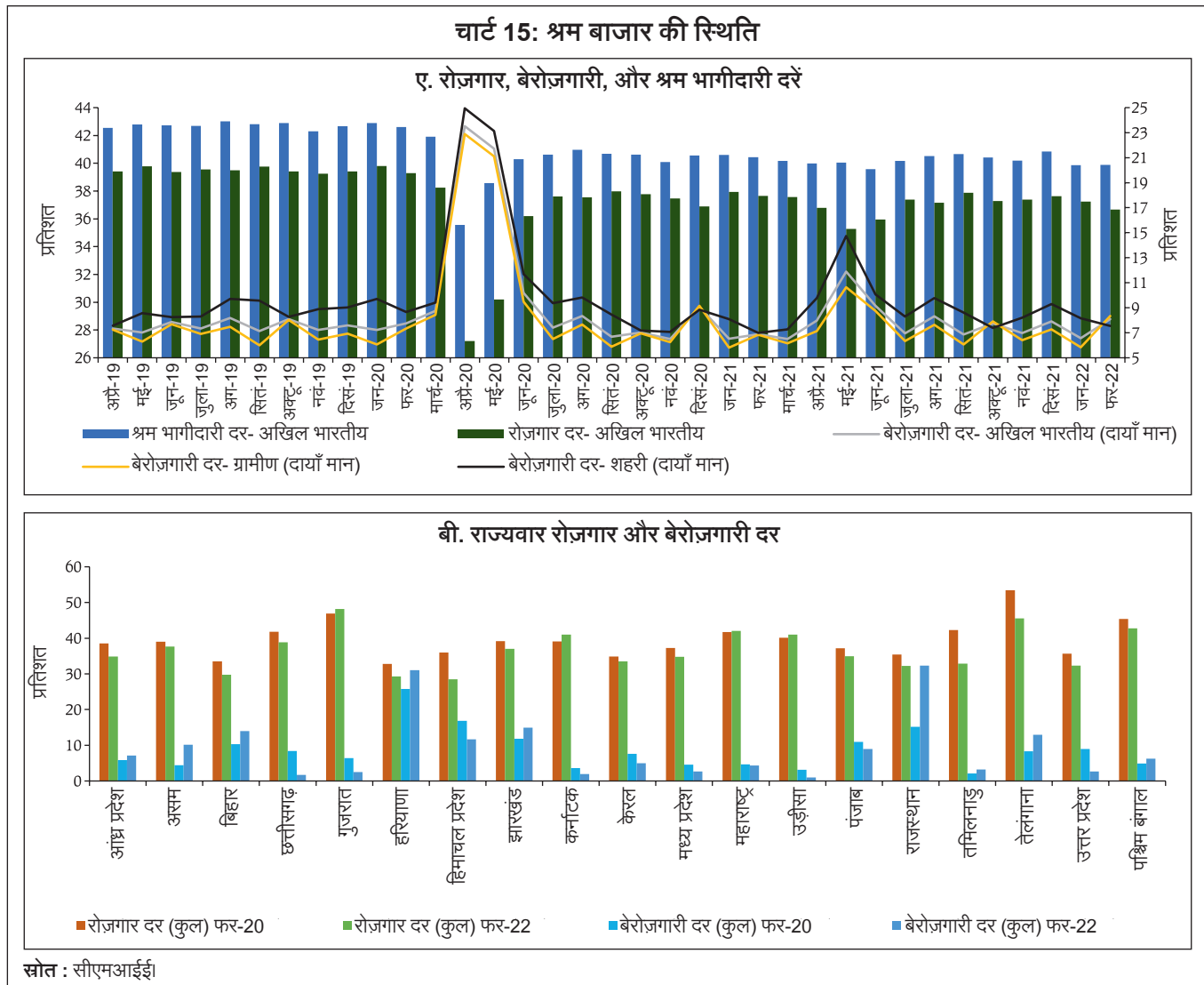


वाहन पंजीकरण में महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश शीर्ष दो राज्य थे (चार्ट 14डी)। इलेक्ट्रिक वाहन खंड ने बिक्री में कई गुना वृद्धि दर्ज की। दोपहिया और प्रवेश स्तर की कारों की वजह से ग्रामीण मांग में महामारी से पहले के स्तर के संकुचन के साथ नरमी दर्ज की गयी (चार्ट 14ई)।

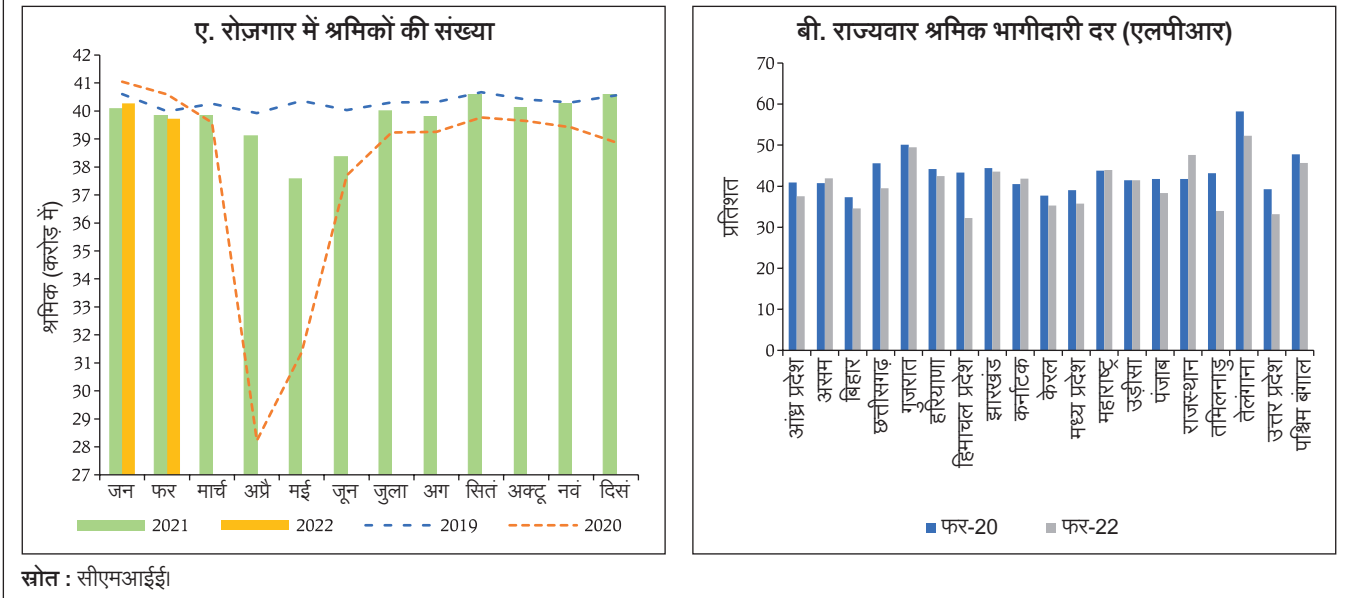
जनवरी में सुस्त प्रदर्शन के बाद फरवरी 2022 में एफएमसीजी की मांग में तेजी आई। रिटेल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म बिजोम के मुताबिक, फरवरी में एफएमसीजी की बिक्री में 17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह वृद्धि पूरी तरह से वस्तुओं और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों की उच्च बिक्री से हुई थी, जबकि घरेलू और व्यक्तिगत देखभाल श्रेणियों में गिरावट आई थी।

भारतीय अर्थव्यवस्था निगरानी केंद्र (सीएमआईई) के घरेलू सर्वेक्षण के अनुसार, फरवरी 2022 में श्रम भागीदारी दर में पिछले महीने की तुलना में तीन आधार अंकों की मामूली वृद्धि हुई। रोजगार दर (कामगार जनसंख्या अनुपात) में 58 आधार अंकों की गिरावट आई, जिसके कारण बेरोजगारी दर जनवरी में 6.6 प्रतिशत से बढ़कर फरवरी 2022 में 8.1 प्रतिशत हो गई। सर्वेक्षण ने यह भी संकेत दिया कि शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी गिर रही है और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ रही है (चार्ट 15ए)। गुजरात और महाराष्ट्र जैसे औद्योगिक राज्यों में रोजगार दर में सुधार का संकेत देखने को मिला (चार्ट 15बी)।

चार्ट 15: श्रम बाजार की स्थिति



**चार्ट 16: रोजगार में श्रमिकों की संख्या और एलईपीआर**

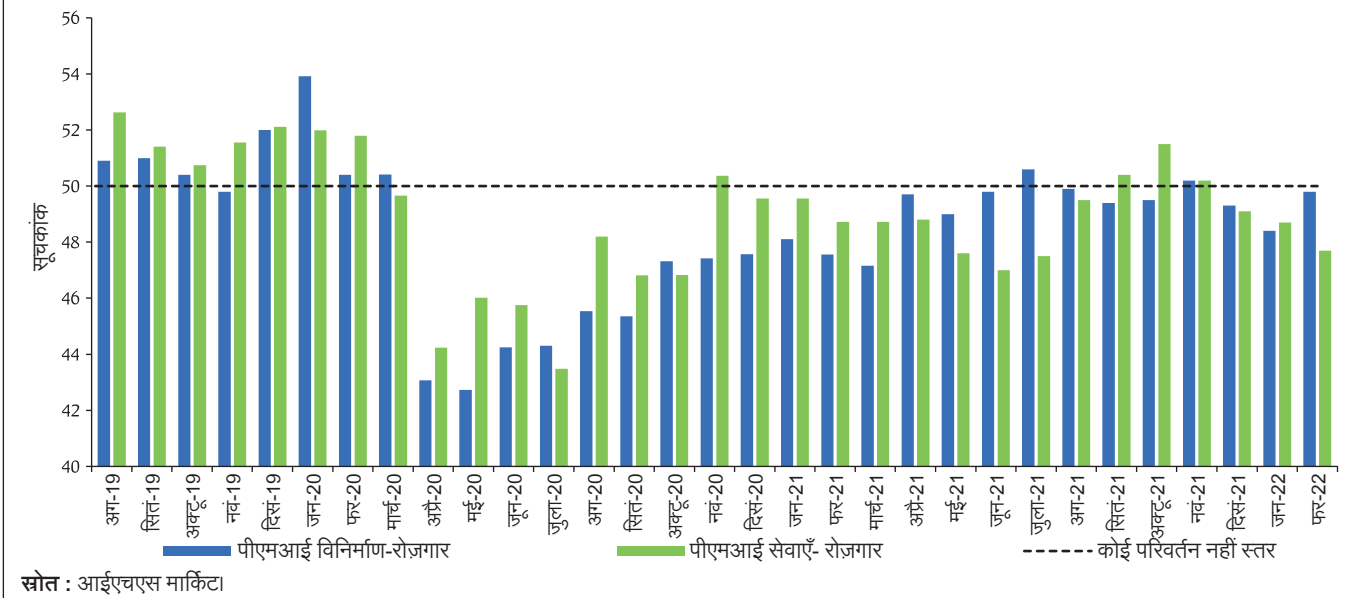


सीएमआईई के रोजगार आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने मामूली गिरावट के बाद फरवरी 2022 में श्रम बाजार को और नुकसान हुआ। पिछले महीने की तुलना में फरवरी में श्रमिकों की संख्या में 5.5 मिलियन की गिरावट के कारण नियोजित श्रमिकों की संख्या एक साल पहले के स्तर से नीचे चली गई (चार्ट 16ए)। हालांकि, श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) कई राज्यों में महामारी से पहले के स्तर के करीब लौट आई है। असम, कर्नाटक,

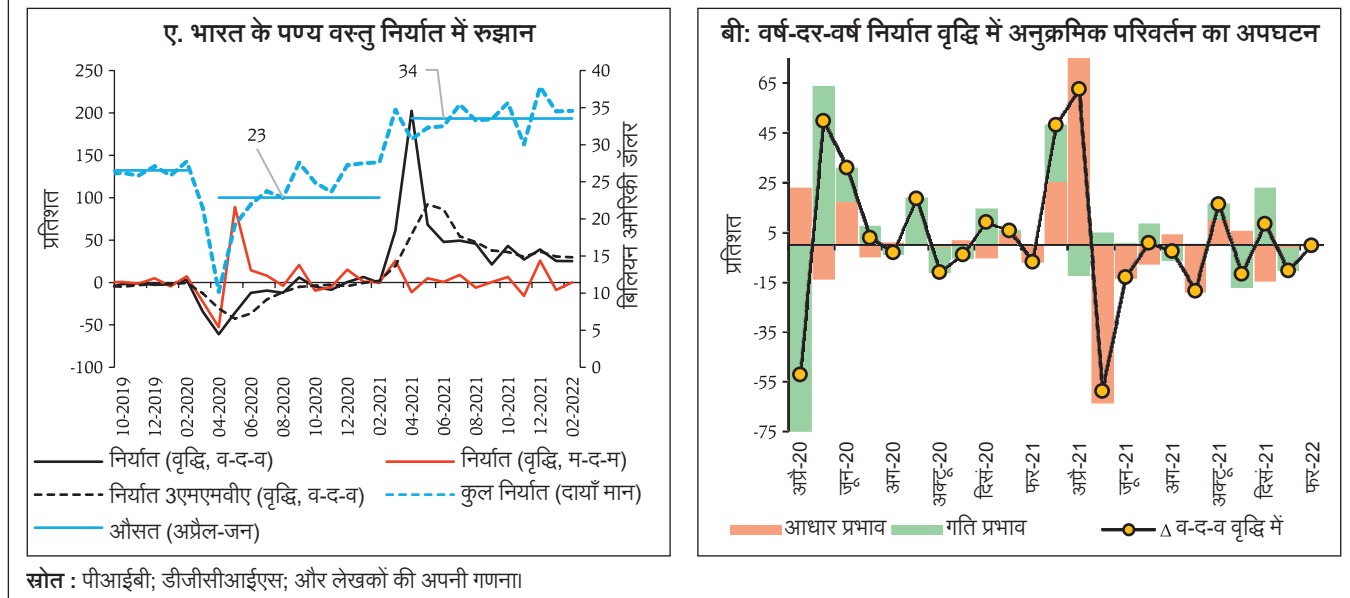
महाराष्ट्र और राजस्थान ने फरवरी 2020 की तुलना में फरवरी 2022 में एलएफपीआर को अपने महामारी के पहले के स्तर से ऊपर उठते हुए देखा है (सीएमआईई) [चार्ट 16बी]।

पीएमआई बताते हैं कि फरवरी 2022 में लगातार तीसरे महीने विनिर्माण और सेवा क्षेत्र दोनों के तहत रोजगार संकुचित हुआ (चार्ट 17)।

**चार्ट 17: पीएमआई रोजगार सूचकांक**



**चार्ट 18: भारत का पण्य वस्तु निर्यात- फरवरी 2022**

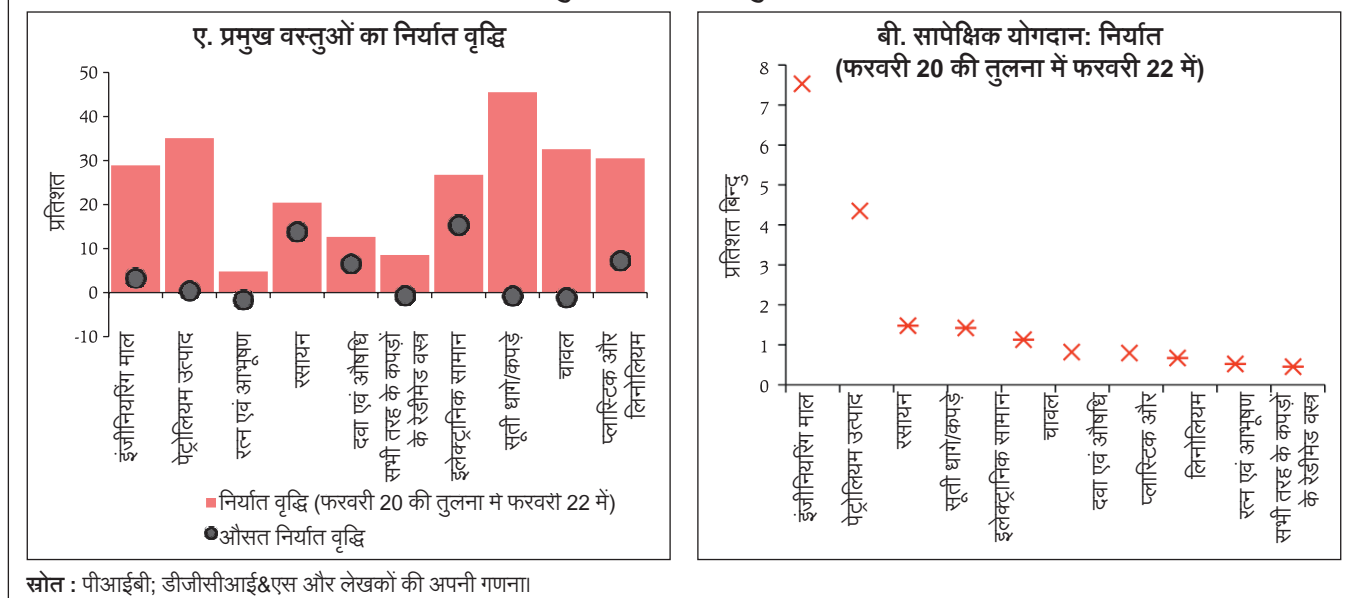


फरवरी 2022 में 34.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का भारत का व्यापारिक निर्यात लगातार 12वें महीने 30 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ऊपर रहा। निर्यात ने साल-दर-साल आधार पर 25.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और कोविड के पहले के स्तरों (24.6 प्रतिशत) से अधिक है [चार्ट 18]। अप्रैल 2021 - फरवरी 2022 के दौरान, व्यापारिक निर्यात 374.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर

रहा, जो वर्ष 2021-22 के लिए निर्धारित 400 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात लक्ष्य का 93.7 प्रतिशत है।

निर्यात वृद्धि व्यापक-आधारवाली थी, जिसमें दस प्रमुख पण्य समूह कोविड-पूर्व स्तर से ऊपर के विस्तार के लगभग 80 प्रतिशत निर्यात हुआ करते थे (चार्ट 19ए)। निर्यात प्रदर्शन में सुधार इंजीनियरिंग वस्तुओं, पेट्रोलियम उत्पादों और रसायनों के पोतलदान के उच्च मूल्य से हुआ (चार्ट 19बी)।

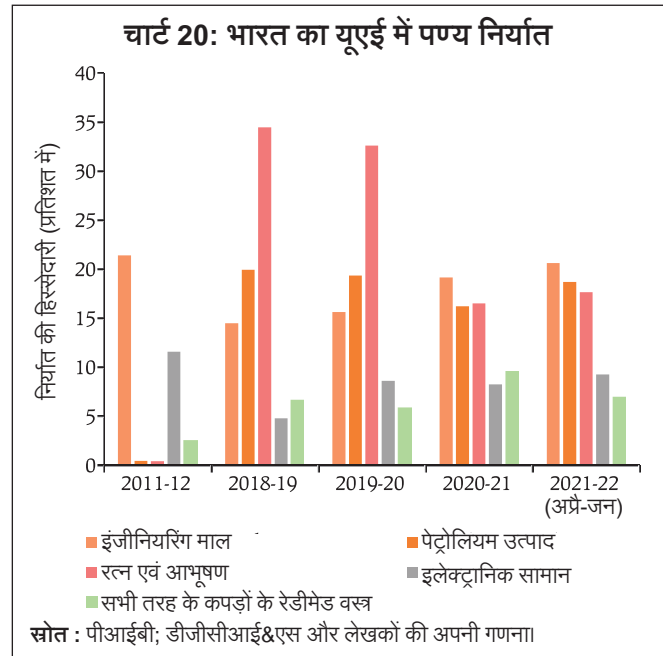
**चार्ट 19: प्रमुख निर्यातित वस्तुओं का विश्लेषण**



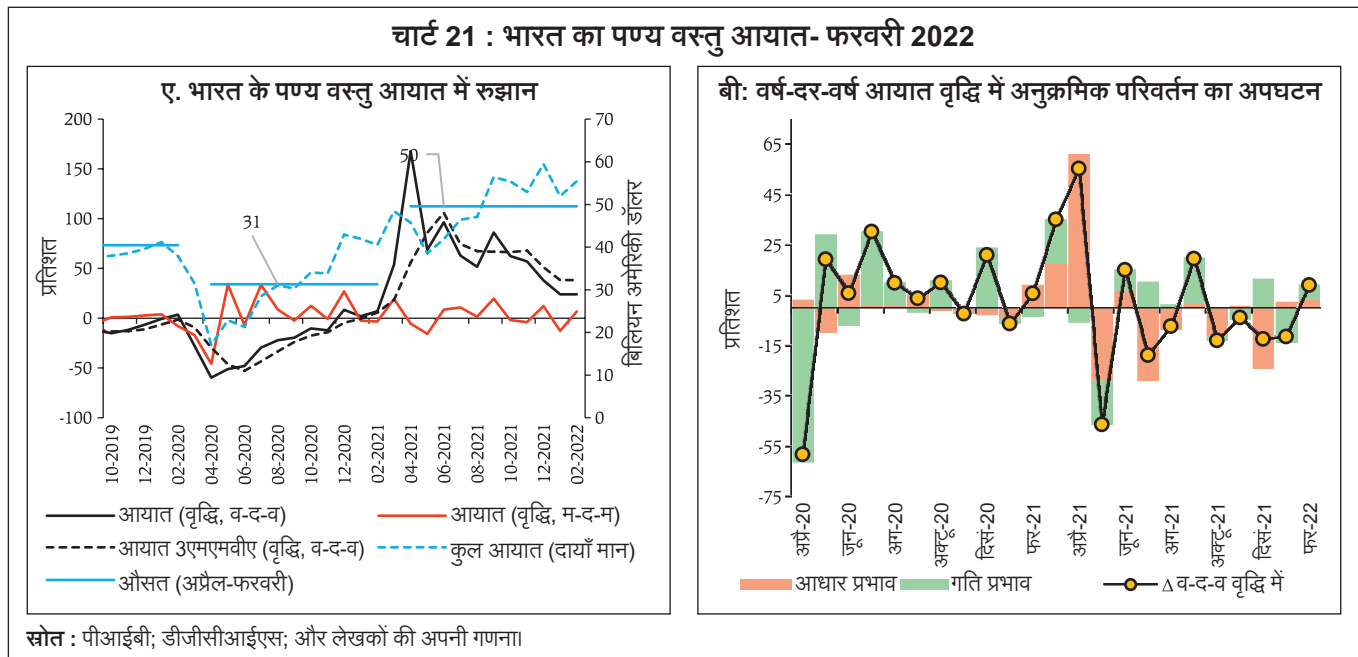
भारत ने हाल ही में रत्न और आभूषण, वस्त्र और चमड़े जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अगले पांच वर्षों में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को लक्षित करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ एक व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। पिछले दशक में, संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात की संरचना में पेट्रोलियम उत्पादों और रत्न और आभूषण निर्यात में तेज वृद्धि से काफी विस्तार हुआ है (चार्ट 20)।

फरवरी 2022 में 55.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर का व्यापारिक आयात लगातार छठे महीने 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ऊपर रहा, जिसमें महामारी से पहले के स्तर (फरवरी 2020) की तुलना में 46.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है [चार्ट 21]। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भारत के आयात बिल को बढ़ा रही हैं क्योंकि रूस-यूक्रेन संघर्ष ने आपूर्ति-पक्ष की चिंताओं को बढ़ा दिया है।

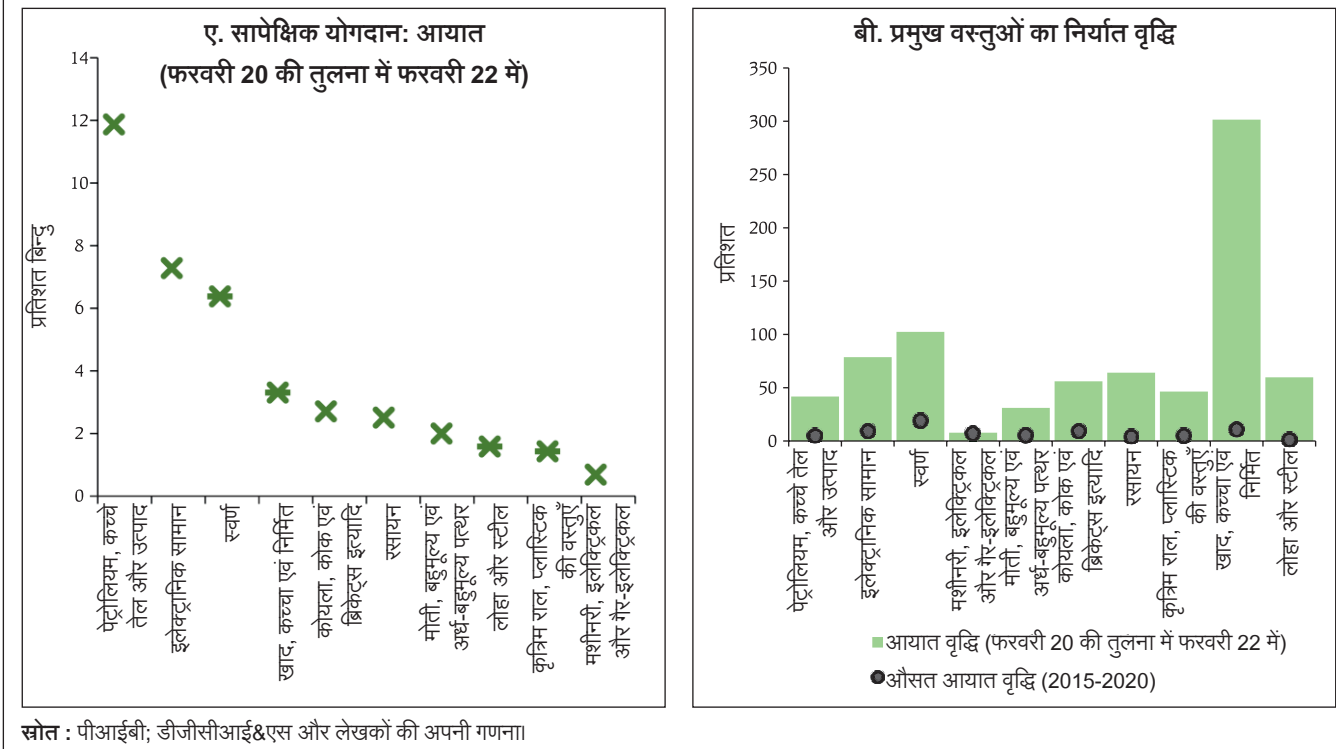
मजबूत आयात मांग पेट्रोलियम उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं और सोने की उच्च मांग से प्रेरित थी (चार्ट 22ए)। आयात वृद्धि व्यापक-आधारित थी, जिसमें प्रमुख जिंस समूहों ने अपने कोविड-पूर्व स्तरों से ऊपर के विस्तार को दर्ज करते हुए 75



प्रतिशत से अधिक आयात किया (चार्ट 22 बी)। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि को दर्शाते हुए, पूर्व-कोविड स्तरों पर फरवरी 2022 में कच्चे आयात में 41.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई।



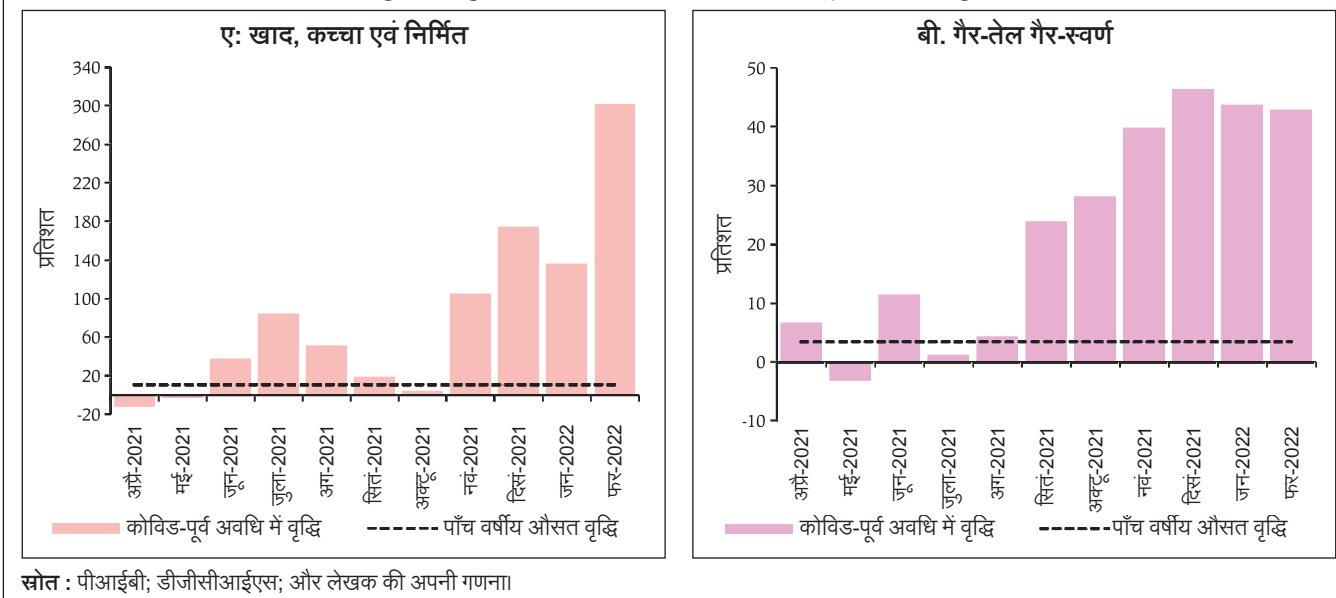
**चार्ट 22: प्रमुख आयातित वस्तुओं का विश्लेषण**



फरवरी 2022 में उर्वरकों का आयात रिकॉर्ड स्तर पर रहा और महामारी से पहले की अवधि में 301.6 प्रतिशत से अधिक का विस्तार हुआ (चार्ट 23ए)। गैर-तेल गैर-सोने के आयात ने

फरवरी 2022 में लगातार नौवें महीने के लिए पूर्व-कोविड स्तरों की तुलना में मजबूत वृद्धि बनाए रखी (चार्ट 23 बी)।

**चार्ट 23 : प्रमुख वस्तुओं के आयात में वृद्धि (कोविड-पूर्व स्तर की तुलना में वृद्धि)**

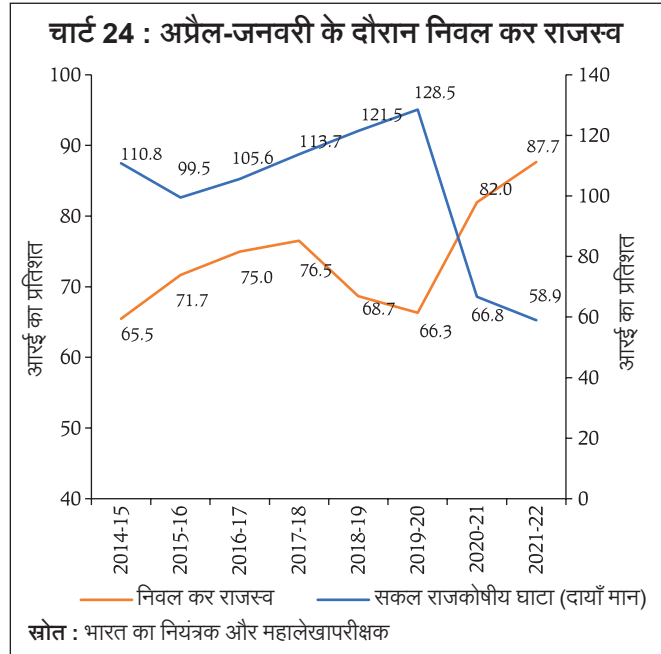




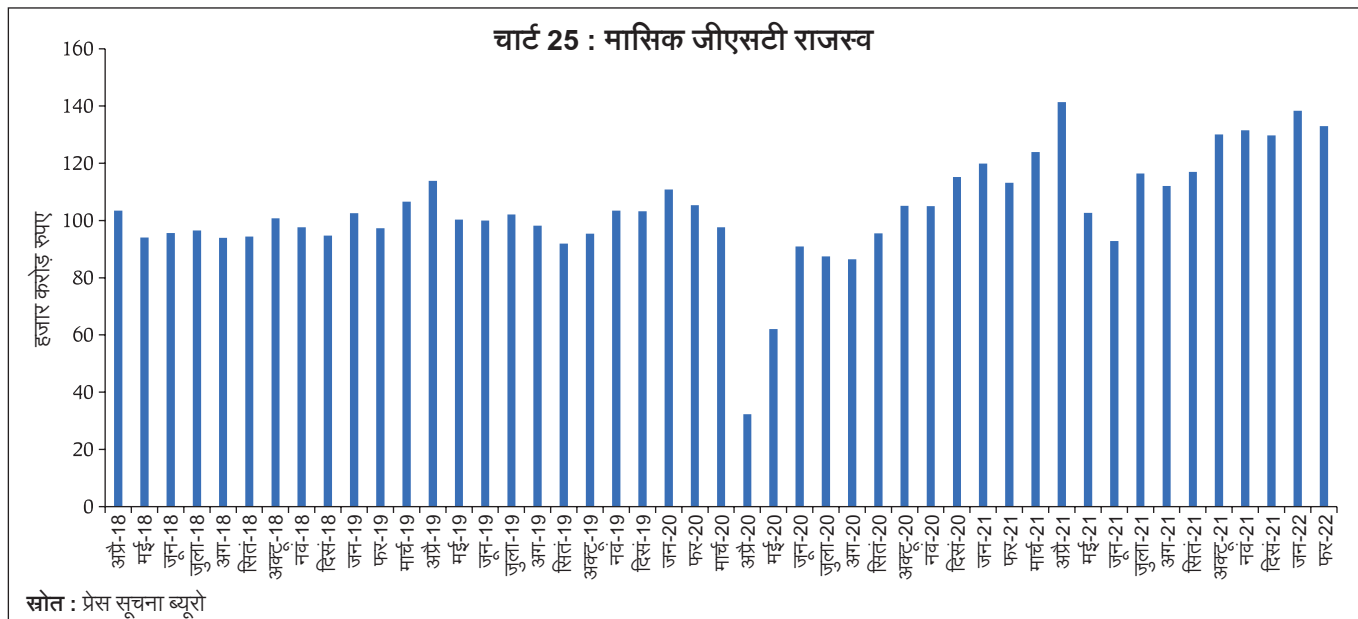
जैसे-जैसे आयात निर्यात की तुलना में तेजी से बढ़ा, फरवरी 2022 में भारत का व्यापार घाटा (20.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर) बढ़ गया, जो बाद में दोनों (जनवरी 2022 में 17.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर) और साथ ही वर्ष-दर-वर्ष (फरवरी 2021 में 13.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर) एवं कोविड-पूर्व स्तर (फरवरी 2020 में 10.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर) में वृद्धि हुई।

भारत के सेवा व्यापार के संबंध में जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2022 (वर्ष-दर-वर्ष) में भारत का 21.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का सेवा निर्यात 24.2 प्रतिशत बढ़ गया। जनवरी (वर्ष-दर-वर्ष) के दौरान सेवाओं के निवल निर्यात में 11.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सेवा निर्यात संवर्धन परिषद ने वर्ष 2022-23 हेतु सेवा क्षेत्र के लिए 300 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात लक्ष्य निर्धारित किया है।

वर्ष 2021-22 के संशोधित अनुमानों (आरई) के लिए सकल राजकोषीय घाटा वर्ष 2021-22 के दूसरे अग्रिम अनुमानों के आधार पर जीडीपी का 6.7 प्रतिशत है। अप्रैल-जनवरी 2021-22 के दौरान, केंद्र सरकार की राजकोषीय स्थिति में सुधार हुआ, जो निवल कर राजस्व आरई के 87.7 प्रतिशत के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया। अप्रैल-जनवरी 2021-22 के दौरान कुल व्यय में वर्ष 2020-21 की तुलना में 11.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें पूंजीगत व्यय और राजस्व व्यय में क्रमशः 22.0 प्रतिशत



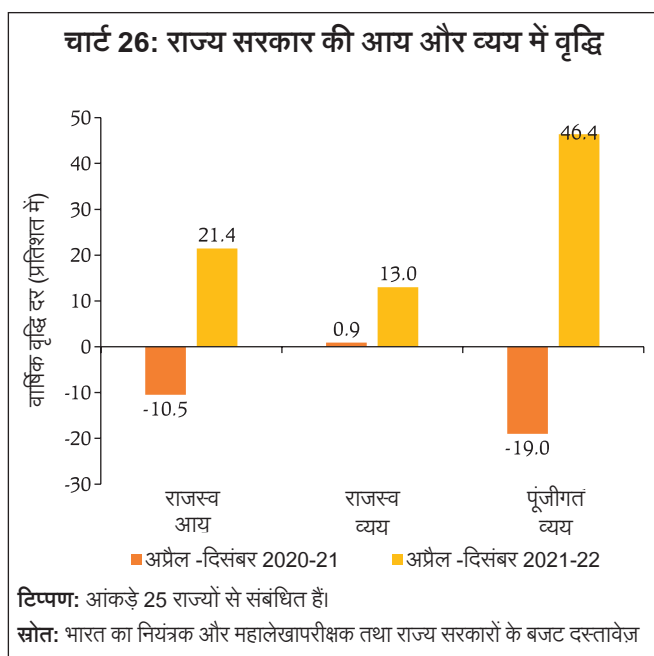
और 9.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अप्रैल-जनवरी 2021-22 के दौरान सकल राजकोषीय घाटा आरई के 58.9 प्रतिशत के सर्वकालिक निचले स्तर तक चला गया (चार्ट 24)। 14 मार्च 2022 को, केंद्र सरकार ने वर्ष 2021-22 के लिए अनुपूरक अनुदान मांग का तीसरा और अंतिम खेप प्रस्तुत किया, जिसमें ₹1.07 लाख करोड़ के निवल नकद व्यय का प्रस्ताव है।



फरवरी 2022 में, जीएसटी संग्रह में 17.6 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की गयी, जो लगातार पांचवें महीने के लिए ₹1.3 लाख करोड़ का आंकड़ा पार कर गया (चार्ट 25)। जीएसटी उपकर संग्रह लागू होने के बाद पहली बार 10,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गया है।

25 राज्यों के लिए उपलब्ध जानकारी के अनुसार, राजस्व प्राप्तियों में अप्रैल-दिसंबर 2021 (अप्रैल-दिसंबर 2020 में 10.5 प्रतिशत की गिरावट के मुकाबले) के दौरान 21.4 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गयी, जो मुख्य रूप से कर और गैर-कर राजस्व के कारण हुआ है (चार्ट 26)। बजटीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए राज्यों की राजस्व प्राप्तियों को वर्ष 2020-21 की इसी अवधि में 32.3 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में 29.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने की जरूरत है।

अप्रैल-दिसंबर 2021 के दौरान राज्यों के राजस्व व्यय और पूंजीगत परिव्यय में क्रमशः 13.0 प्रतिशत और 49.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, केंद्र ने 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को वित्तीय सहायता योजना' के तहत परिव्यय को 10,000 करोड़ रुपये से बढ़ा दिया। पूंजीगत व्यय को प्रोत्साहित करने के लिए 2021-22 के संशोधित अनुमानों में बजट का अनुमान ₹15,000 करोड़ है। इसके अलावा, कर हस्तांतरण की नियमित किस्त के अलावा, केंद्र ने नवंबर 2021 और जनवरी 2022 में कर हस्तांतरण की दो अग्रिम किस्तें जारी की हैं। राज्यों को 2021-22



की चौथी तिमाही में बजटीय व्यय प्राप्त करने के लिए राजस्व और पूंजीगत व्यय में क्रमशः 12.8 प्रतिशत और 27.3 प्रतिशत (2020-21 की चौथी तिमाही में 40.1 प्रतिशत और 53.9 प्रतिशत के मुकाबले)की अवशिष्ट वृद्धि की संभावना है।

### सकल आपूर्ति

आपूर्ति पक्ष पर, मूल कीमतों पर सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) द्वारा मापित कुल आपूर्ति में 2021-22 में 8.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि एक वर्ष पहले यह 4.8 प्रतिशत थी। लचीला कृषि क्षेत्र के अलावा, औद्योगिक और सेवा दोनों क्षेत्रों में निरंतर पुनर्प्राप्ति ने इस वृद्धि को सुगम बनाया। व्यापार, होटल, परिवहन, संचार और प्रसारण से संबंधित सेवाओं को छोड़कर सभी क्षेत्रों ने अपने महामारी-पूर्व-के स्तर को पार कर लिया।

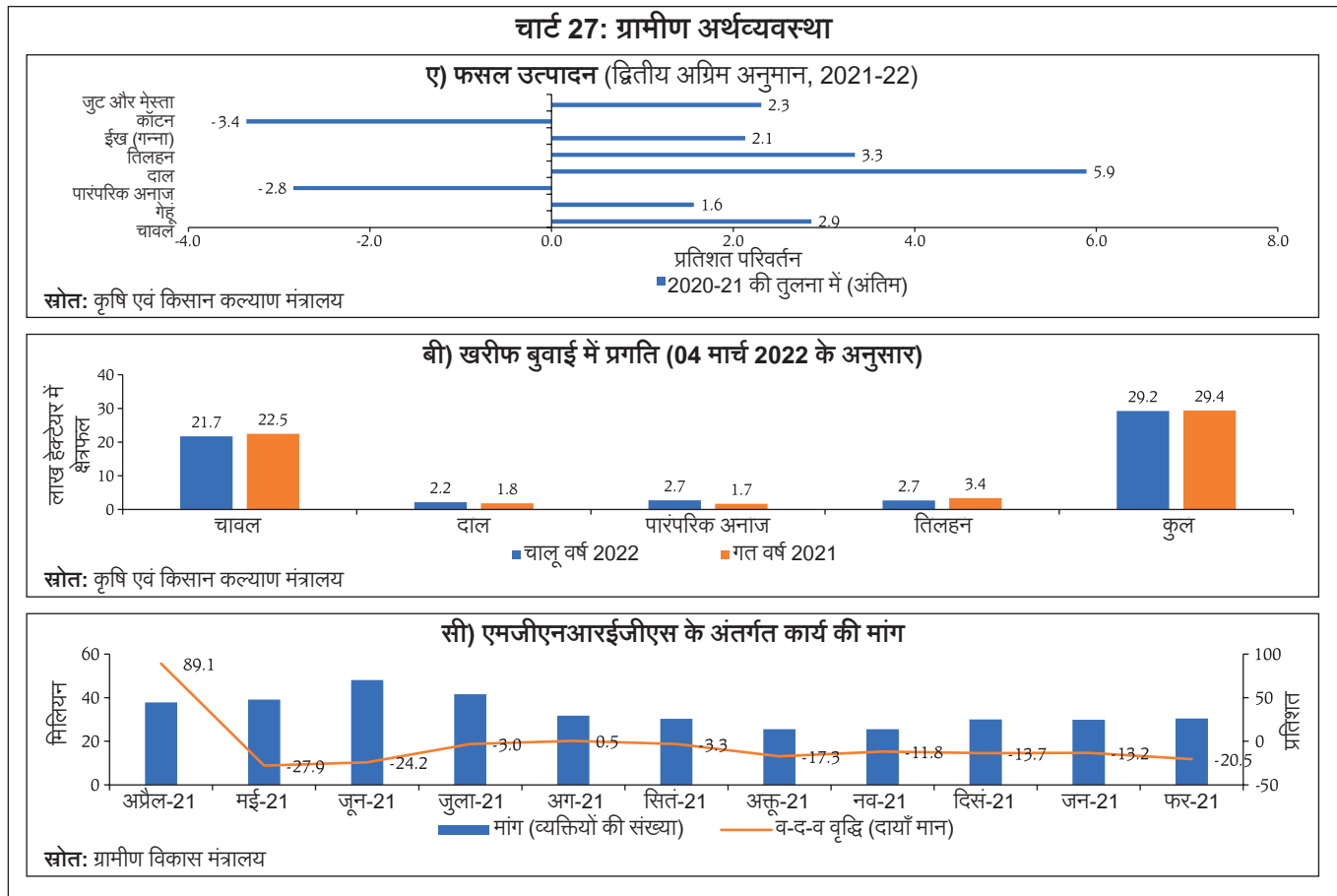
कृषि क्षेत्र में, रेकॉर्ड बुआई क्षेत्र ने एक साल पहले खरीफ (2.0 प्रतिशत) के साथ-साथ रबी (1.5 प्रतिशत) फसलों के उत्पादन में वृद्धि में योगदान दिया (चार्ट 27ए)।

रबी और खरीफ के बीच मार्च से मई तक गर्मी या जायद का मौसम एक छोटी मध्य अवधि है। 04 मार्च, 2022 तक, कुल ग्रीष्मकालीन बुआई क्षेत्र 29.2 लाख हेक्टेयर था, जो पिछले वर्ष के स्तर से 0.4 प्रतिशत कम था, जिसका मुख्य कारण चावल (-3.5 प्रतिशत) और तिलहन (-20.7 प्रतिशत) (चार्ट 27बी) जैसे प्रमुख फसलों के तहत कम रकबा था। आने वाले हफ्तों में रोपाई की गति फिर से तेज होने की उम्मीद है।

08 मार्च, 2022 तक, चालू खरीफ विपणन सत्र 2021-22 के दौरान चावल की कुल खरीद संचयी रूप से 489.2 लाख टन तक पहुंच गई, जबकि एक साल पहले यह 451.9 लाख टन थी। इस पूरे सीजन में चावल खरीद का लक्ष्य 528.3 लाख टन है। त्रैमासिक बफर मानदंडों (जनवरी-मार्च) के अनुसार, चावल और गेहूं दोनों के लिए स्टॉक स्तर फरवरी 2022 के मध्य तक पर्याप्त (क्रमशः 7.8 और 1.9 गुना) रहता है।

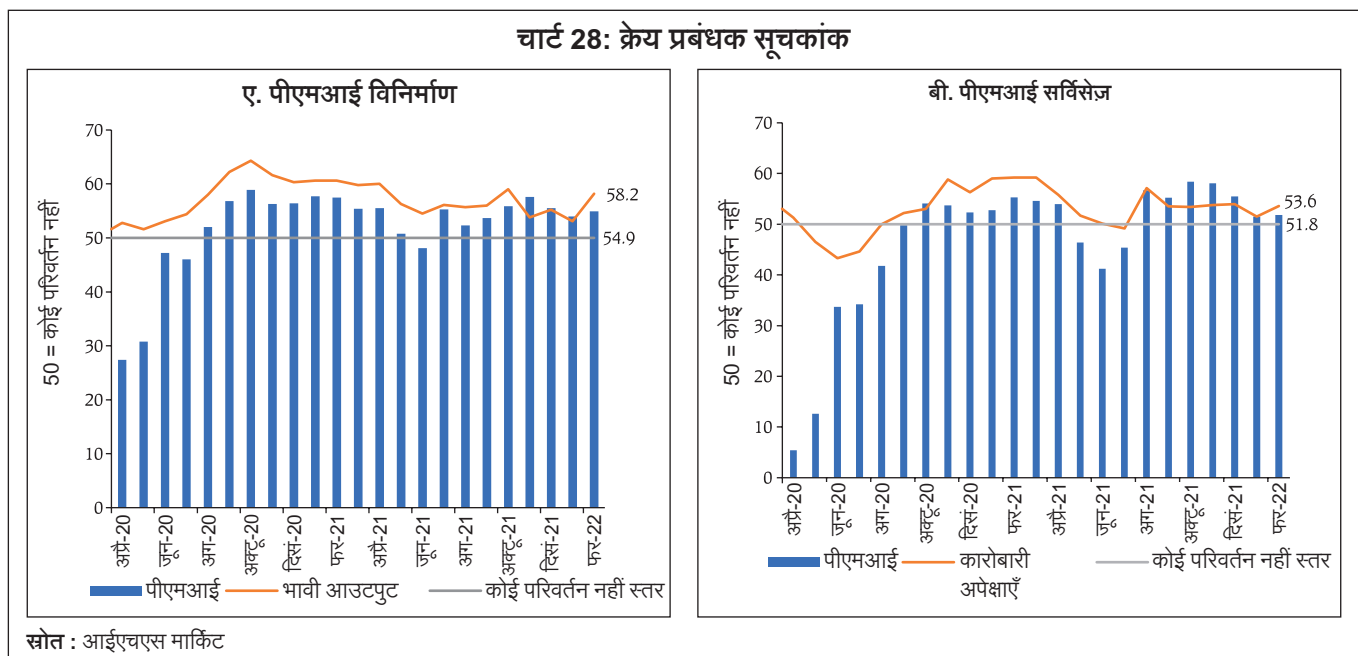
मनरेगा के तहत नौकरियों की मांग में 20.5 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की गिरावट आई है, जो आंशिक रूप से ग्रामीण इलाकों में चल रहे रबी फसल संचालन को दर्शाता है (चार्ट 27C)।

औद्योगिक क्षेत्र में, 54.9 पर हेडलाइन विनिर्माण पीएमआई फरवरी 2022 में एक महीने पहले के 54.0 से बढ़ कर विस्तार मोड में रहा। पीएमआई सेवाएं भी एक महीने पहले के 51.5 से

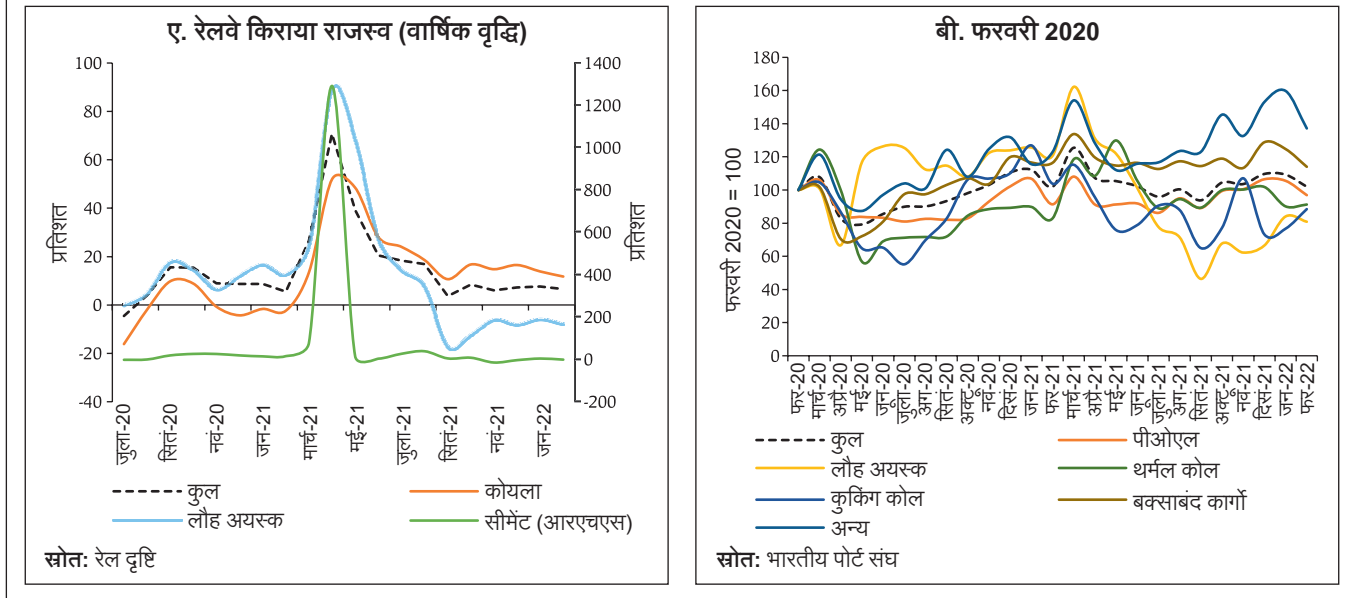


बढ़कर 51.8 के साथ विस्तार मोड में रही। सेवाओं के लिए कारोबारी प्रत्याशा सूचकांक (बीईआई) का फरवरी 2022 में

लगातार सातवें महीने विस्तार हुआ, किन्तु पण्य की कीमतों में वृद्धि (चार्ट 28) के बीच परिदृश्य अस्पष्ट बना हुआ है।



**चार्ट 29: रेलवे और कार्गो ट्रैफिक**

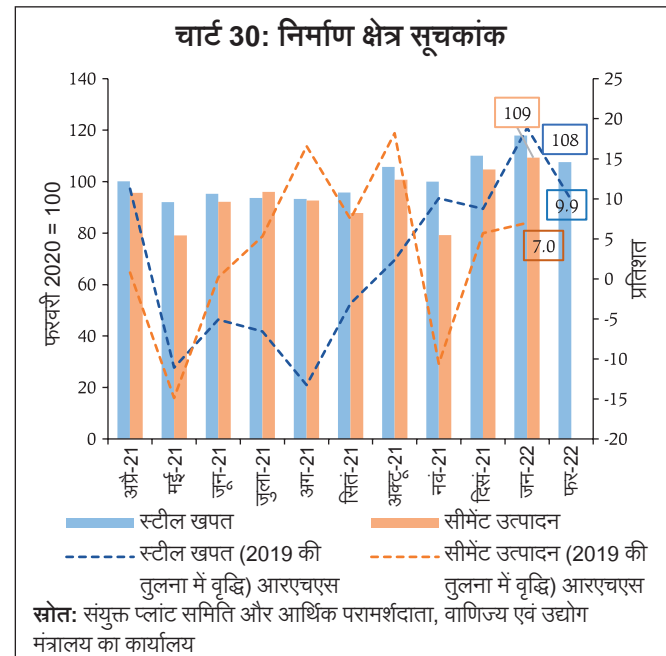


फरवरी 2022 में रेलवे माल ढुलाई में एक साल पहले के 5.5 प्रतिशत की तुलना में 6.6 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि (चार्ट 29ए) के साथ सेवा क्षेत्र में परिवहन संकेतकों में वृद्धि दर्ज की गई। कोयले में माल ढुलाई में वृद्धि दर्ज की गई, यहां तक कि लौह-अयस्क और सीमेंट में एक साल पहले उच्च आधार पर गिरावट आई थी। फरवरी में प्रमुख बंदरगाहों पर कार्गो भी सामान्य रहे, हालांकि यह पूर्व-महामारी रीडिंग के तुलनीय स्तरों पर था। सामान्य कंटेनरीकृत कार्गो और पोर्ट ऑफ लोडिंग (पीओएल) की वस्तुओं में गिरावट के कारण था, जो कुल कार्गो (चार्ट 29 बी) का 67 प्रतिशत है।

जनवरी-फरवरी 2022 के दौरान निर्माण क्षेत्र संबंधी गतिविधियों में 2019 में इसी महीने (चार्ट 30) में सीमेंट उत्पादन और स्टील खपत में विस्तार के संकेतकों के साथ तेजी जारी रही। हालांकि जनवरी 2022 में लगातार दूसरे महीने सीमेंट उत्पादन में वृद्धि हुई, लेकिन बढ़ती लागत इस क्षेत्र में सुधार के लिए एक प्रमुख बाधा बनी हुई है।

उड्डयन क्षेत्र ने फरवरी 2022 में रिकवरी दर्ज की। दैनिक घरेलू हवाई अड्डे की औसत दैनिक आय पिछले महीने की तुलना में 31.9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 5.4 लाख रही है।

अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डों की संख्या में भी क्रमिक रूप से 4.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि कार्गो खंड में घरेलू कार्गो के लिए 0.1 प्रतिशत और अंतर्राष्ट्रीय कार्गो के लिए 6.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मार्च के पहले पखवाड़े में घरेलू हवाई अड्डे की औसत दैनिक आय में 44.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।



## सारणी 2 : उच्च आवृत्ति संकेतक – सेवाएँ

		उच्च आवृत्ति संकेतक – सेवाओं की वृद्धि (वर्षानुवर्ष प्रतिशत)						2019 की तुलना में वृद्धि			
क्षेत्र	संकेतक	सित-21	अक्तू-21	नव-21	दिसं-21	जन-22	फर-22	नव 21/ नव 19	दिसं 21/ दिसं 19	जन 22/ जन 19	फर 22/ फर 19
शहरी मांग	यात्री वाहन बिक्री	-41.2	-27.1	-18.6	-13.3	-8.1	-6.5	-14.8	-1.5	-9.2	-3.4
ग्रामीण मांग	दुपहिया वाहन बिक्री	-17.4	-24.9	-34.4	-10.8	-21.1	-27.3	-25.5	-4.2	-29.4	-35.7
	तीन पहिया वाहन बिक्री	53.8	19.1	-6.6	27.0	-8.5	-1.1	-59.7	-47.7	-55.4	-54.8
	ट्रैक्टर बिक्री	-14.8	0.4	-22.5	-27.5	-32.6	-31.3	17.2	3.8	3.5	9.2
	वाणिज्यिक वाहन बिक्री	24.5		0.9				-0.3			
व्यापार, होटल, यातायात, संचार	रेलवे माल ढुलाई यातायात	3.6	8.4	6.1	7.2	7.7	6.6	15.6	16.5	20.1	19.7
	पोर्ट कार्गो यातायात	0.5	6.3	-0.2	-0.4	-2.9	-2.7	3.9	4.0	3.7	8.8
	घरेलू हवाई कार्गो यातायात	10.1	6.7	-1.7	2.0	-6.1		-11.4	-1.1	-14.1	
	अंतरराष्ट्रीय हवाई कार्गो यातायात	18.1	23.8	11.7	10.5	5.2		-5.0	-3.6	-10.3	
	घरेलू हवाई यात्री यातायात	76.5	68.7	65.5	53.3	-16.2		-17.6	-12.5	-47.8	
	अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात	155.9	162.9	140.2	121.7	67.5		-58.6	-54.5	-61.2	
	जीएसटी ई-वे बिल्स (कुल)	18.3	14.5	5.9	11.6	9.5	3.5	14.5	29.3	34.9	32.0
	जीएसटी ई-वे बिल्स (आंतर राज्य)	15.6	14.1	7.3	13.4	11.4	5.1	17.6	33.0	42.5	38.8
	जीएसटी ई-वे बिल्स (अंतर राज्य)	22.3	15.1	3.9	8.9	6.6	1.0	10.1	24.0	24.5	22.7
	यात्री आगमन	278.8	337.0	255.0	235.5	140.4		-76.9	-75.2	-82.0	
विनिर्माण	इस्पात उपभोग	-3.2	-3.8	-7.1	-7.4	0.6	-3.3	10.1	8.7	18.9	9.9
	सीमेंट उत्पादन	10.8	14.5	-3.6	13.9	13.6		-10.6	5.7	7.0	
पीएमआई संकेतक	विनिर्माण	53.7	55.9	57.6	55.5	54.0	54.9				
	सेवाएँ	55.2	58.4	58.1	55.5	51.5	51.8				

स्रोत : सीएमआईई, सीईआईसी आंकड़े ; आईएचएस बाजार ; एसआईएम ; भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और संयुक्त प्लान्ट समिति

हालांकि, संपर्क संवेदी होने के कारण विमानन और पर्यटन क्षेत्र लगातार पीछे रहे हैं। ग्रामीण मांग में गिरावट ने ऑटोमोबाइल क्षेत्र में बिक्री को भी प्रभावित किया, क्योंकि दोपहिया वाहन क्षेत्र में संकुचन बढ़ता गया (तालिका 2)।

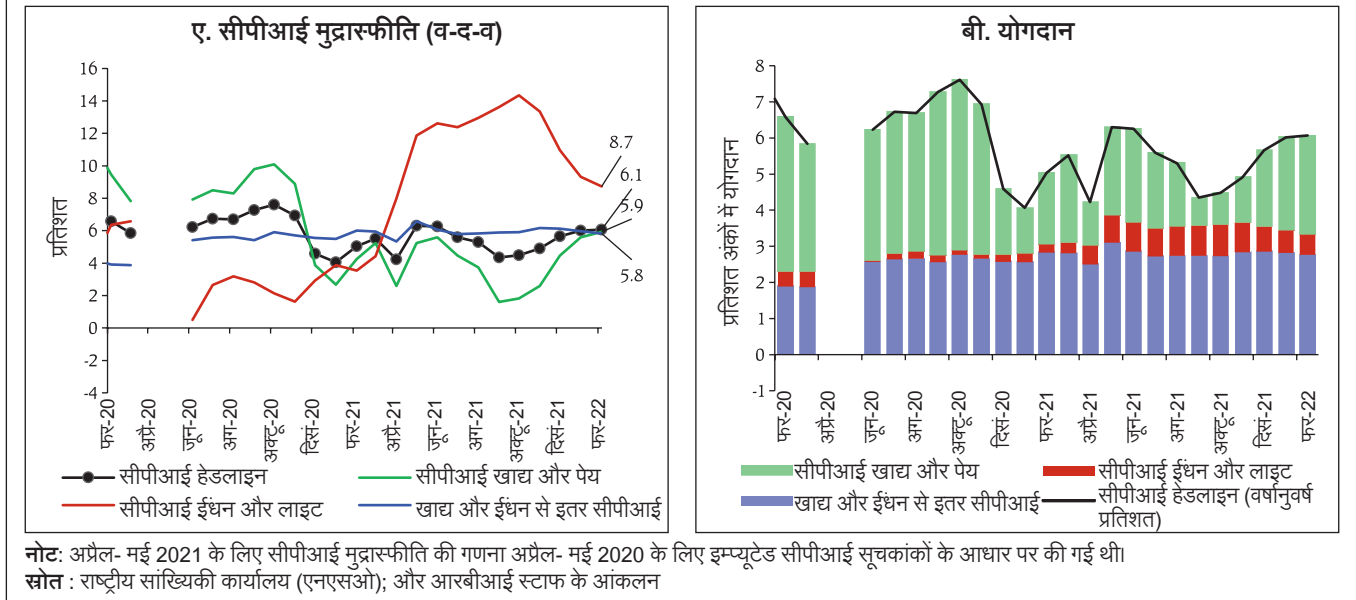
### मुद्रा स्फीति

14 मार्च, 2022 को एनएसओ द्वारा जारी फरवरी के अनंतिम सीपीआई डेटा से पता चला है कि फरवरी 2022 के महीने के लिए हेडलाइन सीपीआई मुद्रास्फीति (वर्ष-दर-वर्ष) जनवरी के 6.0 प्रतिशत से बढ़कर 6.1 प्रतिशत हो गई (चार्ट 31 ए)। फरवरी में 24 बीपीएस की एक सकारात्मक मूल्य गति (महीने-दर-महीने कीमतों में बदलाव) को आंशिक रूप से 19 बीपीएस के अनुकूल आधारभूत प्रभावों (एक साल पहले कीमतों में महीने-दर-महीने

परिवर्तन) द्वारा ऑफसेट किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप जनवरी और फरवरी के बीच हेडलाइन मुद्रास्फीति में 5 बीपीएस की मामूली वृद्धि हुई।

खाद्य और पेय पदार्थों की मुद्रास्फीति मुख्य चालक थी, जो जनवरी में 5.6 प्रतिशत के मुकाबले फरवरी में बढ़कर 5.9 प्रतिशत हो गई। खाद्य कीमतों की गति में 12 बीपीएस की गिरावट 44 बीपीएस के प्रतिकूल आधारभूत प्रभाव से अभिभूत थी। उप-समूहों के संदर्भ में, अनाज, अंडा, मांस और मछली, सब्जियों और मसालों में मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई। दूसरी ओर, खाद्य तेलों, दूध, गैर-मादक पेय और तैयार भोजन में मुद्रास्फीति में नरमी आई जबकि दालों, फलों और चीनी में मुद्रास्फीति स्थिर रही।

चार्ट 31 : सीपीआई मुद्रास्फीति



ईंधन मुद्रास्फीति में लगातार चौथे महीने, नरमी देखी गई - मुख्य रूप से एलपीजी मुद्रास्फीति में नरमी के कारण, यह फरवरी में जनवरी में 9.3 प्रतिशत से लगभग 59 बीपीएस घटकर 8.7 प्रतिशत हो गई, जबकि मिट्टी के तेल (पीडीएस) के मुद्रास्फीति में तेजी से वृद्धि हुई। फरवरी में बिजली की कीमतें अपस्फीति में बनी रहीं। सीपीआई ईंधन (सीपीआई बास्केट में 6.84 प्रतिशत का भार) ने फरवरी में हेडलाइन मुद्रास्फीति में लगभग 9.6 प्रतिशत का योगदान दिया (चार्ट 31 बी)।

खाद्य और ईंधन<sup>1</sup> को छोड़कर सीपीआई मुद्रास्फीति अथवा मूल मुद्रास्फीति ने फरवरी में लगभग 15 बीपीएस से 5.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की, जो एक महीने पहले 6.0 प्रतिशत थी (चार्ट 31 ए)। जहाँ पान, तंबाकू और नशीले पदार्थों, मनोरंजन और मनोरंजन, स्वास्थ्य और परिवहन और संचार में मुद्रास्फीति कम हुई, तो दूसरी ओर कपड़ों और जूतों, आवास, घरेलू सामान और सेवाओं तथा शिक्षा उप-समूहों में मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई।

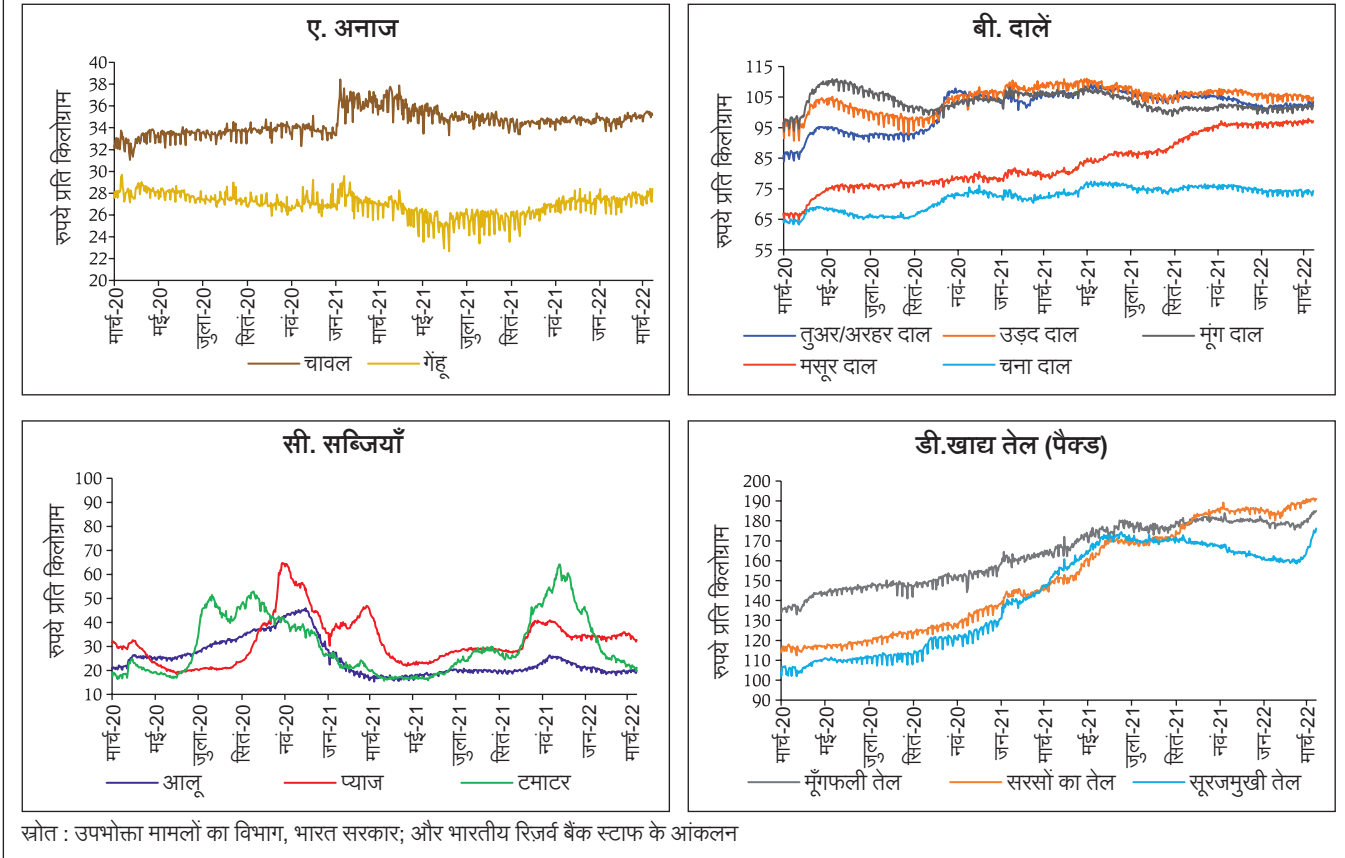
<sup>1</sup> सीपीआई, खाद्य और ईंधन को छोड़कर, हेडलाइन सीपीआई से 'खाद्य और पेय पदार्थ' और 'ईंधन और प्रकाश' समूहों को हटाकर निकाला जाता है।

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय (उपभोक्ता मामले विभाग) के मार्च (1-14 मार्च, 2022) के उच्च आवृत्ति वाले खाद्य मूल्य डेटा अनाज की कीमतों में मामूली वृद्धि का संकेत देते हैं। दालों की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। खाद्य तेलों की कीमतों में व्यापक आधार पर वृद्धि दर्ज की गई। टमाटर और प्याज की कीमतों में और मौसमी सुधार देखा गया, जबकि आलू की कीमतों में मार्च में अब तक वृद्धि हुई है (चार्ट 32)।

चार प्रमुख महानगरों में पेट्रोल और डीजल के खुदरा बिक्री मूल्य मार्च में अब तक (मार्च 1-14, 2022) अपरिवर्तित रहे। हालांकि एलपीजी की कीमतें स्थिर रहीं, मार्च की पहली छमाही में मिट्टी के तेल की कीमतों में वृद्धि हुई (तालिका 3)।

फरवरी में विनिर्माण और सेवाओं में इनपुट लागत में और वृद्धि हुई, जैसा कि पीएमआई में परिलक्षित होता है। हालांकि, फरवरी में सभी विनिर्माण और सेवाओं में बिक्री कीमतों में मामूली वृद्धि हुई।

चार्ट 32 : डीसीए आवश्यक पण्य मूल्य



सारणी 3: पेट्रोलियम उत्पाद की कीमतें

वस्तु	इकाई	घरेलू कीमतें			महीने दर महीने (प्रतिशत)	
		मार्च-21	फर-22	मार्च-22 <sup>^</sup>	फर-22	मार्च-22
पेट्रोल	₹/लीटर	93.20	102.87	102.87	0.0	0.0
डीजल	₹/लीटर	85.11	90.51	90.51	0.0	0.0
मिट्टी का तेल (सब्सिडी)	₹/लीटर	29.37	42.17	46.87	15.4	11.2
एलपीजी (गैर-सब्सिडी)	₹/सिलेंडर	829.63	910.13	910.13	0.0	0.0

<sup>^</sup>: 1-14 फरवरी, 2022 की अवधि के लिए।

**नोट:** मिट्टी के तेल के अलावा, कीमतें चार प्रमुख महानगरों (दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई) में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की औसत कीमतों को दर्शाती हैं। मिट्टी के तेल के लिए, कीमतें कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में रियायती कीमतों के औसत को दर्शाती हैं।

**स्रोत:** आईओसीएल; पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी); और आरबीआई स्टाफ आंकलन।

#### IV. वित्तीय स्थितियां

10 फरवरी, 2022 को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) द्वारा दोहराए गए उदार मौद्रिक नीति रुख के अनुरूप, चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत दैनिक चलनिधि अवशोषण जनवरी के दूसरे पखवाड़े से फरवरी 2022 के मध्य तक के ₹7.4 लाख करोड़ से बढ़कर फरवरी की दूसरी छमाही से मार्च 2022 तक (ऊपर) औसतन ₹8.4 लाख करोड़ रहा। राज्य चुनाव और रबी कटाई के मौसम से उत्पन्न उच्च रिसाव के बावजूद बढ़ा हुआ सरकारी खर्च इस अवधि में प्रचलन में मुद्रा में चलनिधि का प्रमुख स्वायत्त चालक बन गया। नियत दर रिवर्स रेपो विंडो के तहत औसत दैनिक अवशोषण ₹1.7 लाख करोड़ था, जबकि कुल अवशोषण का बड़ा हिस्सा परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो नीलामियों

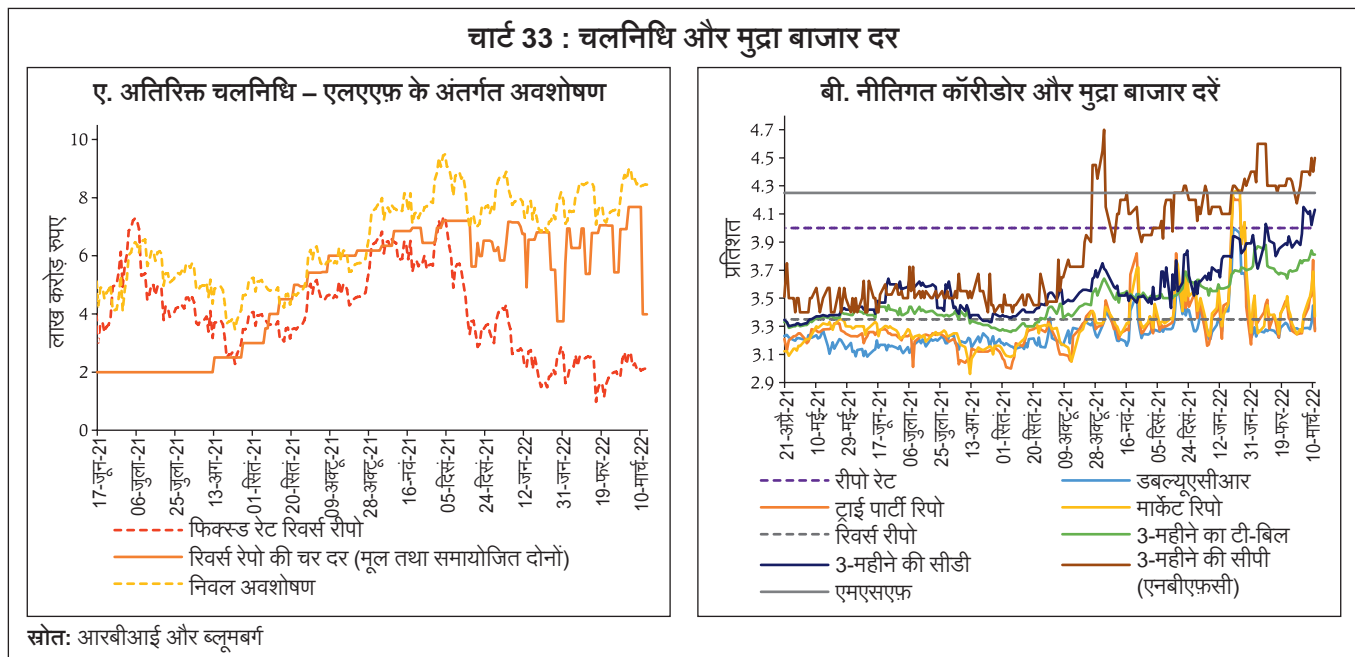
(मुख्य और फाइन-ट्यूनिंग दोनों) के माध्यम से प्रभावित हुआ था, जो अधिशेष चलनिधि के दीर्घावधि (चार्ट 33ए) की ओर स्थानांतरित होने से चलनिधि पुनर्संतुलन को दर्शाता है।

बैंकिंग प्रणाली में चलनिधि अधिशेष भारत औसत कॉल दर (डब्ल्यूएसीआर), त्रि-पक्ष रेपो और बाजार रेपो दर रिवर्स रेपो दर के करीब होने के साथ, रातोंरात मुद्रा बाजार दरों को कम कर दिया। 3 महीने के टी-बिल और जमा प्रमाणपत्र (सीडी) जैसे लंबी अवधि के मुद्रा बाजार के लिखतों पर ब्याज दरें, हालांकि, फरवरी के दूसरे पखवाड़े से 11 मार्च, 2022 तक 38 बीपीएस और 60 बीपीएस के औसत रिवर्स रेपो दर पर उनके संबंधित फैलाव के साथ अधिक रही। इसी तरह, 3 महीने के वाणिज्यिक पत्र (सीपी)-एनबीएफसी दरें सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर (चार्ट 33 बी) से ऊपर बनी रहीं। सीडी और सीपी बाजारों में मजबूत प्राथमिक बाजार गतिविधि ने दरों को ऊंचा बनाए रखा है। ऋण चक्र में पुनरुद्धार के साथ, सीडी जारी करके निधि जुटाना अप्रैल-अक्तूबर 2021 के दौरान 61,983 करोड़ की तुलना में नवंबर 2021-जनवरी 2022 तक बढ़कर 65,298 करोड़ हो गया।

साप्ताहिक नीलामियों के निरस्त हो जाने के बाद बॉन्ड बाजार का लाभ कम हो गया। 10-वर्षीय बेंचमार्क जी सेक पर प्रतिफल 18 फरवरी (चार्ट 34a) के 6.6 प्रतिशत के निचले स्तर की तुलना में 11 मार्च, 2022 को 6.86 प्रतिशत तक दृढ़ हो गया। यूक्रेन संघर्ष से बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उछाल ने बाजार के रुख को हिला दिया। प्राथमिक बाजार में, सरकार ने 25 फरवरी को आयोजित अंतिम साप्ताहिक नीलामी के साथ 2021-22 के लिए अपना उधार कार्यक्रम पूरा किया। कॉरपोरेट बॉन्ड प्रतिफल दृढ़ होकर, जी-सेक प्रतिफल (चार्ट 34 बी) में परिवर्तन को ट्रैक करता है।

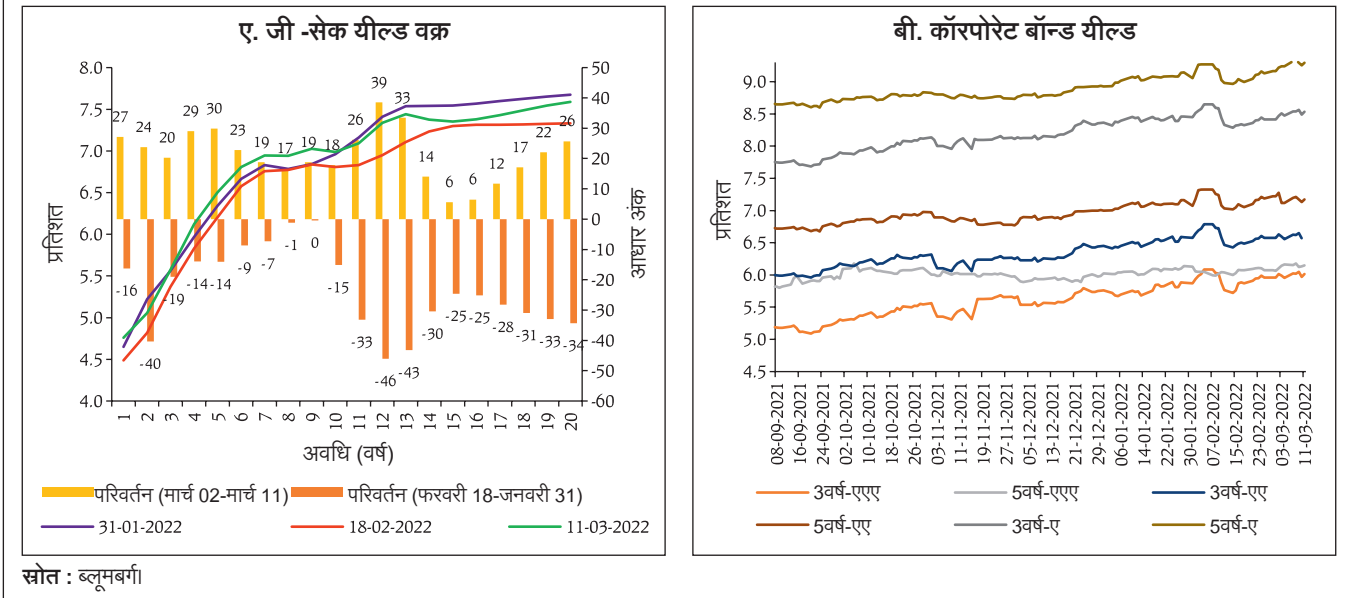
समग्र मौद्रिक और ऋण स्थितियों को देखें तो, आरएम का सबसे बड़ा घटक प्रचलन में मुद्रा के साथ, आरक्षित धन (आरएम) में, नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) बहाली के पहले दौर के प्रभाव को छोड़कर, 11 मार्च, 2022 (एक साल पहले 16.3 प्रतिशत) के अनुसार समान विकास दर (एक साल पहले 19.2 प्रतिशत) को बनाए रखते हुए 8.9 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई। 25 फरवरी, 2022 (एक साल पहले 12.8 प्रतिशत) तक मुद्रा आपूर्ति (एम<sub>3</sub>) में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो मुख्य रूप से बैंकों

**चार्ट 33 : चलनिधि और मुद्रा बाजार दर**



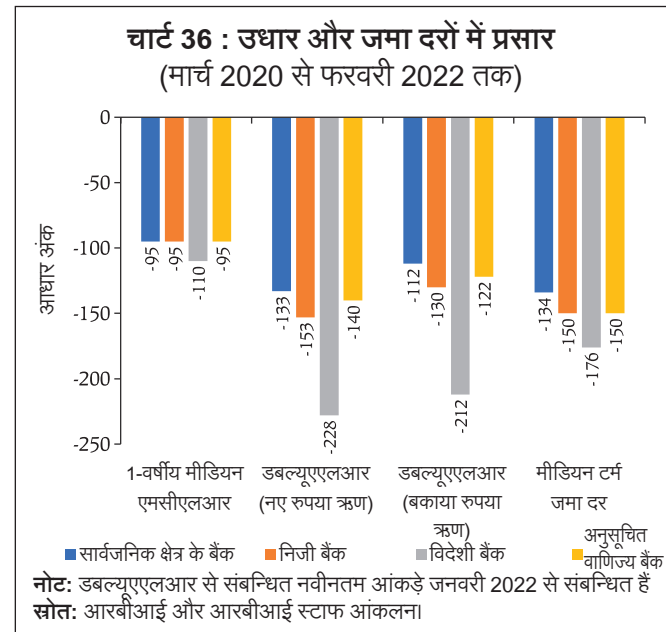
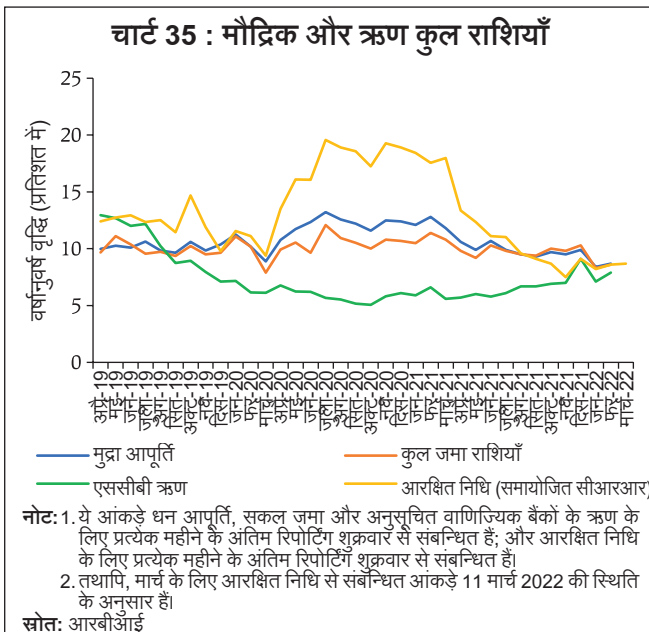


**चार्ट 34 : बॉन्ड यील्ड्स में परिवर्तन**



के साथ कुल जमा में 8.6 प्रतिशत (एक साल पहले 11.4 प्रतिशत) की वृद्धि से प्रेरित थी। वाणिज्यिक क्षेत्र में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) के ऋण में वृद्धि अप्रैल 2020 के बाद पहली बार नवंबर 2021 में 7.0 प्रतिशत के स्तर को पार करते हुए, 25 फरवरी, 2022 को बढ़कर 7.9 प्रतिशत हो गई (एक साल पहले 6.6 प्रतिशत प्रति वर्ष) [चार्ट 35]।

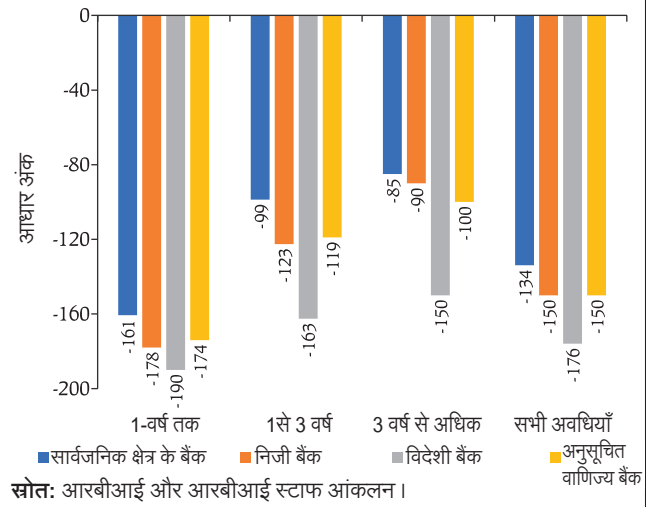
मार्च 2020 के बाद से, एससीबी की निधि-आधारित उधार दर (एमसीएलआर) की एक साल की औसत सीमांत लागत में संचयी रूप से 95 बीपीएस की कमी आई है। 115 बीपीएस की रेपो दर में कटौती के जवाब में, मार्च 2020 से जनवरी 2022 (चार्ट 36) की अवधि के दौरान ताजा और बकाया रुपये के ऋणों पर भारित औसत उधार दरों (डब्ल्यूएलआर) में क्रमशः 140 बीपीएस और 122 बीपीएस की गिरावट आई।



ऋण माँग में वृद्धि के साथ ही, कुछ अनुसूचित सहकारी बैंकों ने सावधि जमा पर ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। मार्च 2020 से सितंबर 2021 की अवधि के दौरान मध्यावधि जमा दर (एमटीडीआर) में नीति दर में कमी के प्रभाव अंतरण की सीमा 154 बीपीएस रही, जो फरवरी 2022 में मामूली रूप से घटकर 150 बीपीएस हो गई। एक वर्ष तक की परिपक्वता की अल्पावधि जमाराशियों के मामले में 174 बीपीएस की प्रत्यक्ष गिरावट देखी जा सकती है। घरेलू बैंकों में, मजबूत जमा वृद्धि के कारण निजी बैंकों द्वारा अपने सार्वजनिक क्षेत्र के समकक्षों की तुलना में सावधि जमा दरों में प्रभाव अंतरण को उच्च बनाए रखने में सक्षम किया है (चार्ट 37)।

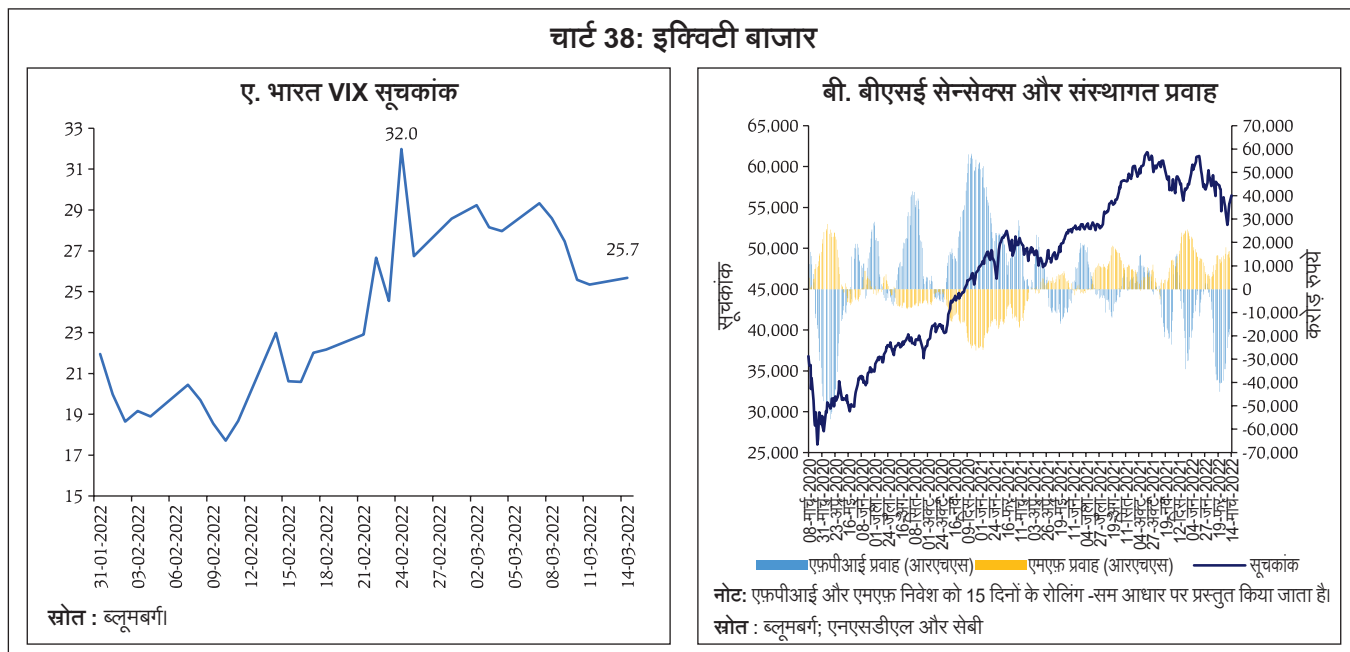
छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरें भारत सरकार द्वारा प्रशासित और निर्धारित की जाती हैं। ये प्रशासित ब्याज दरें एक अंतराल के साथ सरकारी प्रतिभूतियों पर बाजार प्रतिफल से जुड़ी होती हैं और तुलनीय परिपक्वता के सरकारी-प्रतिभूति प्रतिफल के ऊपर और 0-100 बीपीएस के फैलाव के आधार पर तिमाही अंतराल पर निर्धारित की जाती हैं। भारत सरकार द्वारा 31 मार्च, 2022 को 2022-23 की पहली तिमाही के लिए लघु बचत लिखतों (एसएसआई) पर ब्याज दरों की समीक्षा करने की उम्मीद है। एसएसआई पर मौजूदा ब्याज दरों को सूत्र-आधारित दरों के साथ संरेखित करने के लिए 2022-23 की पहली तिमाही के लिए 9-118 बीपीएस की सीमा में कम करने की आवश्यकता है।

**चार्ट 37 : मध्यवर्ती अवधि की जमा दरों में परिपक्वता के आधार पर प्रसार (मार्च 2020 से फरवरी 2022 तक)**



फरवरी 2022 में, घरेलू इक्विटी बाजार रूस-यूक्रेन संघर्ष के इर्द-गिर्द की घटनाओं के कारण वैश्विक इक्विटी बाजारों में उत्पन्न उथल-पुथल (चार्ट 38) के अनुसार उलझे हुए थे। 24 फरवरी, 2022 को तेज बिकवाली दर्ज करते हुए, घरेलू इक्विटी बाजार महीने की दूसरी छमाही में लगातार नीचे गिरा।

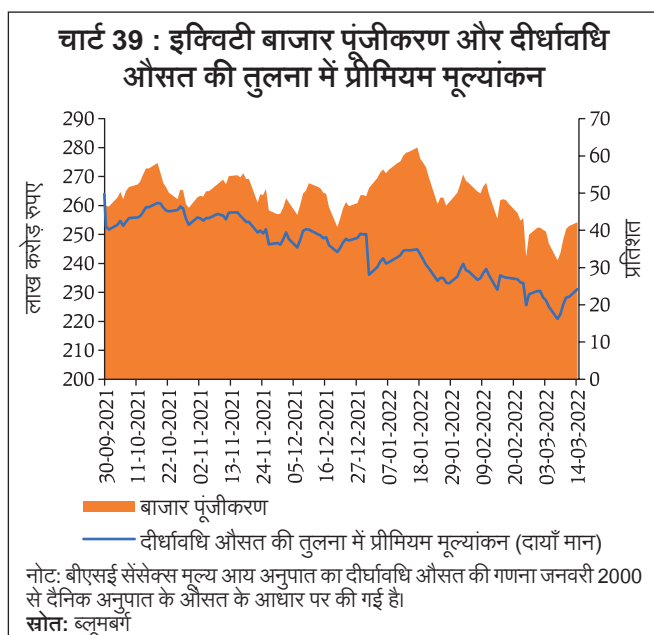
**चार्ट 38: इक्विटी बाजार**



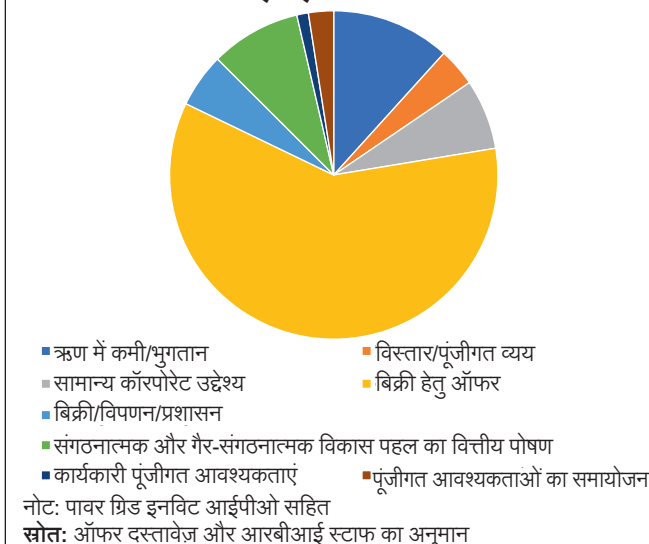
घरेलू इक्विटी दबाव में बने रहे और मार्च की शुरुआत में और गिरावट आई क्योंकि यूक्रेन में युद्ध के दुष्प्रभावों और कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल से बाजार के रुख पर असर पड़ा। इसके बाद जिंस कीमतों में मामूली नरमी के बीच बाजार में सुधार हुआ। कुल मिलाकर, बीएसई सेंसेक्स जनवरी के अंत से 2.6 प्रतिशत की गिरावट के साथ 14 मार्च, 2022 को 56,486 पर बंद हुआ है।

इक्विटी में हालिया गिरावट और कॉरपोरेट आय में लचीली वृद्धि के बाद, बीएसई सेंसेक्स के मूल्य-से-आय (पी / ई) अनुपात में गिरावट आई और इसके दीर्घकालिक औसत से मूल्यांकन प्रीमियम में कमी आई है। 24 फरवरी, 2022 को बीएसई सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 26 अगस्त, 2021 (चार्ट 39) के बाद से अपने निम्नतम स्तर पर आ गया।

प्राथमिक बाजारों में, कंपनियों ने अब तक (फरवरी 2022 तक) 148 पब्लिक / राइट्स इश्यू के माध्यम से ₹ 1.38 लाख करोड़ जुटाए। इस वित्तीय वर्ष में धन जुटाने वाली सार्वजनिक प्रस्तावों (आईपीओ) के माध्यम से मुख्य कंपनियों के प्रारंभिक विश्लेषण से पता चलता है कि यद्यपि जुटाई गई राशि का एक बड़ा हिस्सा बिक्री के लिए प्रस्ताव (ओएफएस) के माध्यम से प्राप्त किया गया है, तथापि आरंभिक संग्रहण ने कंपनियों को ऋण और वित्त विकास आवश्यकताओं को कम करने में सक्षम बनाया है। (चार्ट 40)।



**चार्ट 40 : 2021-22 में आईपीओ के माध्यम से उठाई गई राशि का प्रयोग**

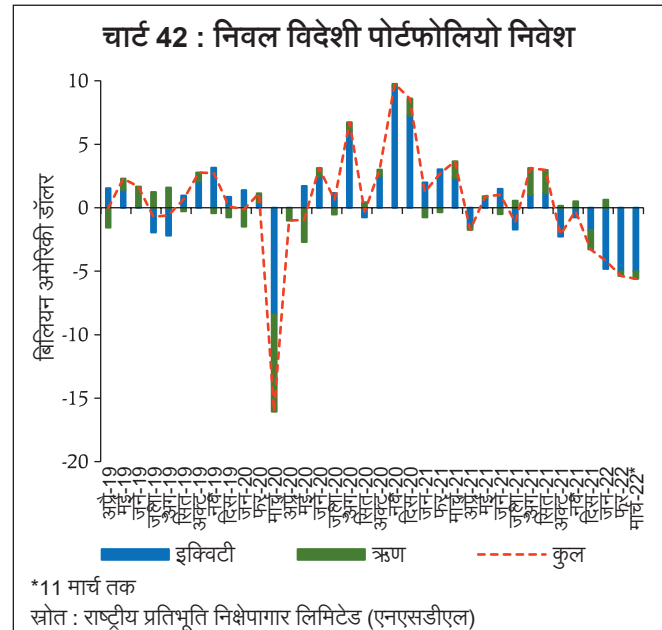


भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बहुप्रतीक्षित आईपीओ का ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस हाल ही में बाजार नियामक के पास दायर किया गया था, जिसमें 5 प्रतिशत हिस्सेदारी के 3,16,249,885 इक्विटी शेयरों तक के ओएफएस का संकेत दिया गया था। एलआईसी आईपीओ भारत में अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होने के लिए तैयार है, और इसलिए, आईपीओ का सही समय महत्वपूर्ण है। निर्गम आकार का 35 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित होने के कारण एलआईसी आईपीओ की सफलता के लिए उनकी प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण है। हाल ही में, घरेलू इक्विटी बाजारों में खुदरा भागीदारी में वृद्धि हुई है, जिसका अनुमान इस वित्तीय वर्ष (अप्रैल-जनवरी 2022) में खोले गए 289 लाख नए डीमैट खातों से लगाया जा सकता है। एलआईसी आईपीओ इक्विटी बाजारों की पहुंच को और अधिक गहरा करने का एक नया अवसर प्रदान करता है। एलआईसी के विशाल पॉलिसीधारक आधार में बड़ी संख्या में नए निवेशकों को पूंजी बाजार में लाने की क्षमता है, जिन्होंने ऐतिहासिक रूप से पारंपरिक बचत उत्पादों पर भरोसा किया है। सरकार की विनिवेश योजनाओं के लिए पूंजी बाजार का गहरा होना भी महत्वपूर्ण है, और इसलिए, प्रमुख बाजार अवसंरचना संस्थानों में निवेशकों का विश्वास जगाना महत्वपूर्ण है।

<sup>2</sup> <https://www.financialexpress.com/market/ipo-news/lic-ipo-takes-equity-cult-deeper-in-india/2443069/>

मजबूत ताजा इक्विटी निवेश के कारण, निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) जनवरी 2022 में 5.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जनवरी 2021 में 1.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर) तक बढ़ गया, जो कि वर्ष 2021-22 की तीसरी तिमाही के 4.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर के संचयी अंतर्वाह से काफी अधिक था। 2021-22 (अप्रैल-जनवरी) के दौरान, सकल एफडीआई अंतर्वाह 69.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर (चार्ट 41) के साथ मजबूत स्थिति में था। एक साल पहले के 42.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में निवल एफडीआई 31.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो भारत से बढ़ते हुए एफडीआई को दर्शाता है। विनिर्माण, कंप्यूटर सेवाओं, संचार सेवाओं, वित्तीय सेवाओं, और खुदरा और थोक व्यापार क्षेत्रों में अधिकांश निवेश प्राप्त हुआ और यह 2021-22 (अप्रैल-जनवरी) में कुल इक्विटी प्रवाह का 70.4 प्रतिशत हिस्सा था।

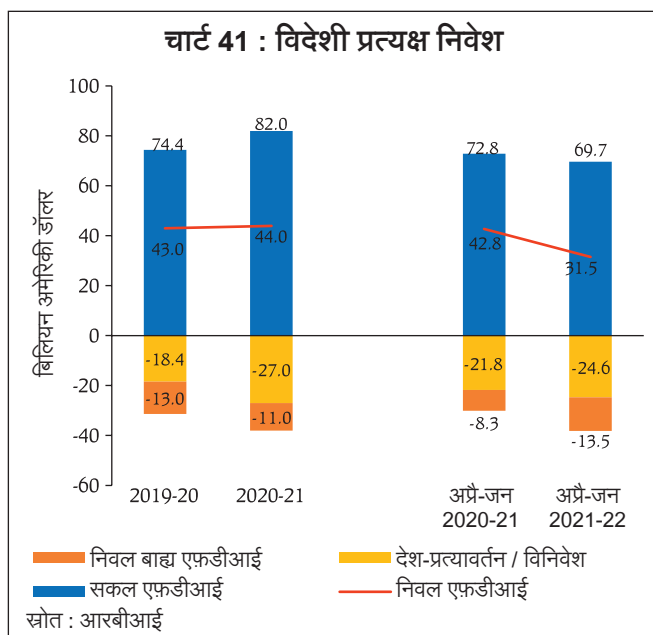
बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने घरेलू बाजार से धन निकालना जारी रखा। फरवरी में इक्विटी क्षेत्र में लगातार पांचवें महीने बहिर्वाह दर्ज किया गया, जबकि जनवरी के दौरान निवल खरीदार रहने के बाद, एफपीआई फरवरी में ऋण बाजार में निवल विक्रेता बन गए। फरवरी 2022 में घरेलू बाजार से निवल एफपीआई बहिर्वाह 5.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर था (चार्ट 42)।

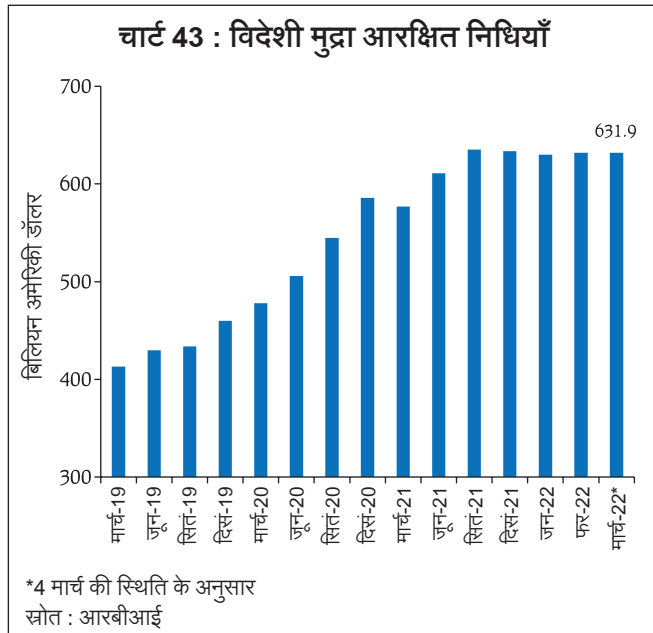


अंतर-कंपनी उधारी को छोड़कर, भारत को बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) का निवल संवितरण, 2021-22 की तीसरी तिमाही के दौरान निवल चुकोती दर्ज करने के बाद, जनवरी 2022 के दौरान 4.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गया। जनवरी 2021 में 5.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर के अंतर-कंपनी उधार सहित निवल संवितरण 2.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक था। जनवरी 2022 के दौरान, उधार की एक बड़ी राशि का उपयोग कार्यकारी पूंजी, पुराने ईसीबी के लिए आगे उधार देने/उप-उधार और पुनर्वित्त के लिए किया गया था।

लगातार तीन महीनों तक संकुचन दर्ज करने के बाद फरवरी 2022 के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में 1.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई। 4 मार्च, 2022 को US\$631.9 बिलियन के साथ, 2021-22 (चार्ट 43) के लिए उक्त भंडार अनुमानित लगभग 12.4 महीनों के आयात के बराबर थे।

विदेशी मुद्रा बाजार में, एफपीआई बहिर्वाह पर अमेरिकी डॉलर की बढ़ती मांग और कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बीच फरवरी 2022 में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये (INR) में 0.7 प्रतिशत (माह-दर-माह) की गिरावट आई। 7 मार्च, 2022 को जब कच्चे तेल की कीमतें 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, तब INR 76.92 प्रति अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर तक गिर गया। भारतीय रुपये का

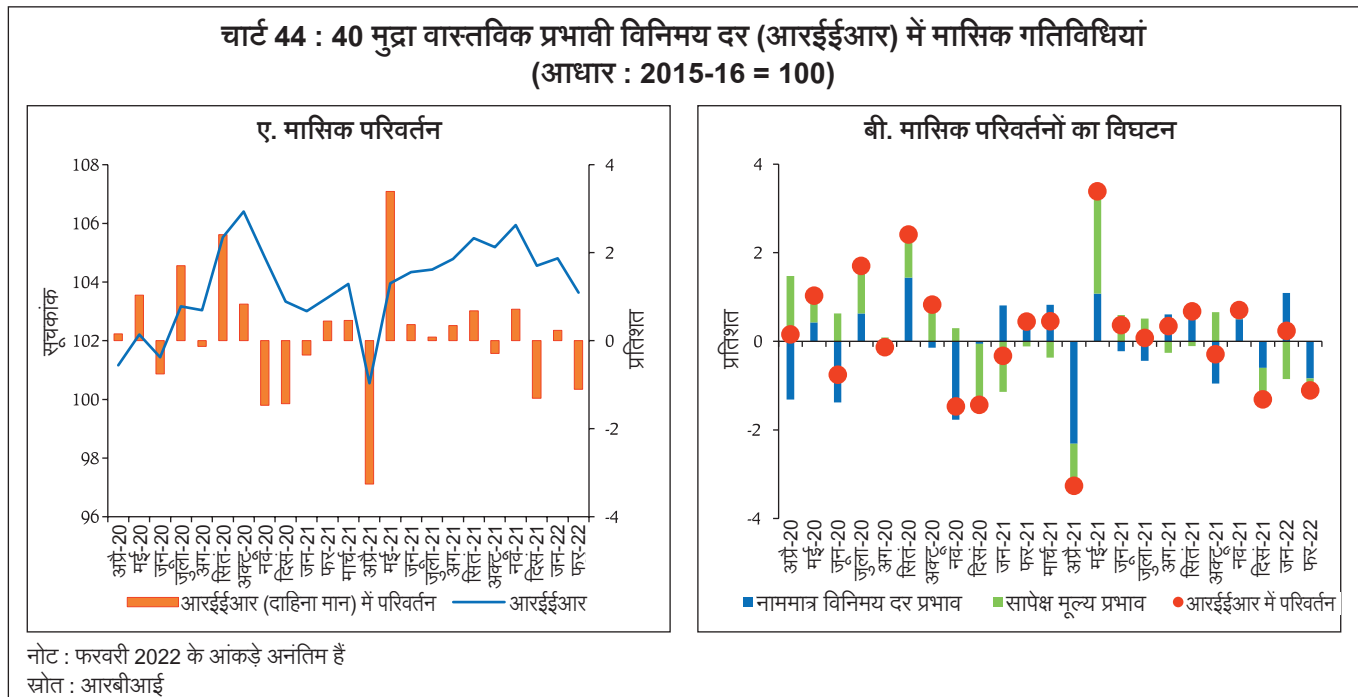




नाममात्र और वास्तविक दोनों प्रभावी स्थितियों (40-मुद्रा बास्केट) में मूल्यहास INR के उतार-चढ़ाव में परिलक्षित हुआ, जिसमें फरवरी 2022 में एक महीने पहले के स्तर से क्रमशः 0.8 और 1.1 प्रतिशत की गिरावट आई थी (चार्ट 44ए और 44बी)।

**भुगतान प्रणाली**

फरवरी और मार्च 2022 (11 मार्च तक) में डिजिटल भुगतान में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। तत्काल सकल निपटान (आरटीजीएस) के माध्यम से बड़े मूल्य के लेन-देन में मात्रा और मूल्य दोनों के संदर्भ में लगातार दो अंकों की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) होती रही, जो कि वर्तमान आर्थिक सुधार के अनुरूप है। खुदरा भुगतानों का सभी भुगतान माध्यमों में बहुत अधिक विस्तार हुआ (तालिका 4)। एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) ने लेनदेन की मात्रा और मूल्य में लगभग 100 प्रतिशत की वृद्धि को बनाए रखा है। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण (एनईएफटी), तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस), और राष्ट्रीय स्वचालित समाशोधन गृह (एनएसीएच) ने भी उल्लेखनीय वृद्धि का प्रदर्शन किया। भारत बिल भुगतान प्रणाली (बीबीपीएस) के तहत लेनदेन में मात्रा और मूल्य में तीन अंकों की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (एनईटीसी) में लगातार वृद्धि हुई। तीसरी लहर के बीच उपभोक्ता और व्यावसायिक व्यय में लचीलापन प्रदर्शित करते हुए, कार्ड लेनदेन<sup>3</sup> के औसत टिकट आकार ने 22.5 प्रतिशत की वृद्धि प्रदर्शित की। तीसरी लहर की गिरावट के



<sup>3</sup> यह क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड के माध्यम से किए गए लेनदेन के कुल मूल्य को दोनों प्रकार के कार्डों के माध्यम से लेनदेन की कुल संख्या से विभाजित करके प्राप्त किया जाता है।

सारणी 4 : चुनिन्दा भुगतान प्रणालियों में वृद्धि दर

	लेनदेन मात्रा वृद्धि (वर्षानुवर्ष प्रतिशत)				लेनदेन मात्रा वृद्धि (वर्षानुवर्ष प्रतिशत)			
	जन- 2021	जन- 2022	फर- 2021	फर- 2022	जन- 2021	जन- 2022	फर- 2021	फर- 2022
आरटीजीएस	14.1	15.7	18.4	14.3	-7.2	13.9	0.7	14.1
एनईएफटी	10.3	26.2	13.6	28.8	12.3	12.8	15.1	15.1
यूपीआई	76.5	100.5	73.0	97.5	99.4	93.0	91.0	94.5
आईएमपीएस	33.5	27.0	28.7	32.0	33.1	34.1	28.3	39.7
एनएसीएच	-14.6	28.8	-18.4	28.0	11.6	26.4	-1.3	30.2
एनईटीसी	60.4	54.8	44.3	53.3	48.1	50.0	38.8	42.0
बीबीपीएस	84.0	130.2	89.1	121.2	106.0	148.8	115.7	136.2

स्रोत : आरबीआई

साथ व्यवसायों के नकदी प्रवाह में सुधार के कारण, एनएसीएच डेबिट बाउंस दर<sup>4</sup> वर्ष-दर-वर्ष<sup>5</sup> जनवरी 2022 में मूल्य के हिसाब से 400 बीपीएस घटकर 23.4 प्रतिशत हो गया। यह ऋण अपराध दर में कमी का संकेत हो सकता है। डिजिटल भुगतान अवसंरचना (जनवरी 2022 तक) के आंकड़ों में स्थिर यूपीआई त्वरित प्रतिक्रिया (QR) कोड, और प्रीपेड भुगतान विलेख (पीपीआई) वॉलेट और कार्ड की संख्या में लगातार वृद्धि दिखाई। यूपीआई और कार्ड नेटवर्क के माध्यम से पीपीआई की अंतर-परिचालन सुविधा के कारण, परिणामी समंजस्य के आधार पर इन तरीकों के माध्यम से लेनदेन में त्वरित वृद्धि होने की उम्मीद है।

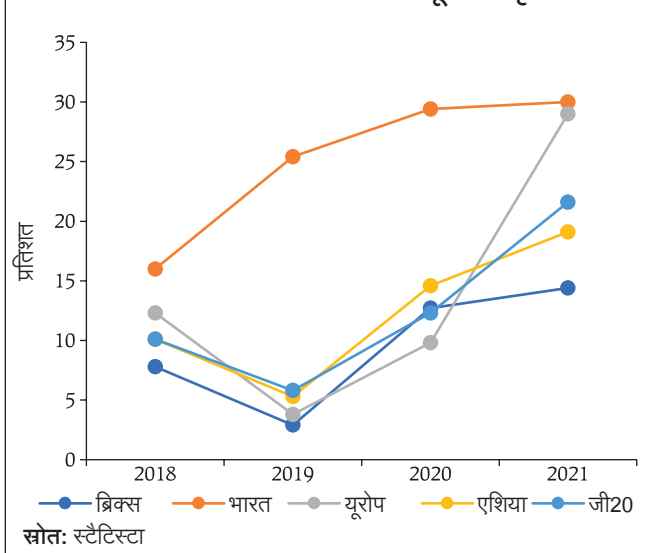
दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों की तुलना में, डिजिटल वाणिज्यिक लेनदेन मूल्य<sup>6</sup> में भारत की वार्षिक वृद्धि 2018 (चार्ट 45) के बाद से लगातार अधिक रही है। 2021 में, भारत के डिजिटल वाणिज्य लेनदेन में 30 प्रतिशत की वृद्धि वैश्विक विकास दर<sup>7</sup> से 760 बीपीएस अधिक थी। स्टार्टअप्स ने भारत के डिजिटलीकरण को

<sup>4</sup> एनएसीएच इंटरबैंक, उच्च मात्रा, इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन की सुविधा के लिए एक वेब-आधारित समाधान है जो बारंबार और आवधिक प्रकृति के हैं। एनएसीएच डेबिट में ईएमआई, बीमा प्रीमियम आदि शामिल हैं। बाउंस दर असफल ऑटो-डेबिट लेनदेन का प्रतिशत है।

<sup>5</sup> <https://www.npci.org.in/what-we-do/nach/product-statistics/2021-22/mtd-nach-analytics>

<sup>6</sup> डिजिटल वाणिज्यिक क्षेत्र में इंटरनेट के माध्यम से किए गए सभी उपभोक्ता लेनदेन शामिल हैं, जो सीधे उत्पादों और सेवाओं के लिए ऑनलाइन खरीदारी से संबंधित हैं। ऑनलाइन लेनदेन विभिन्न भुगतान विधियों के माध्यम से किया जा सकता है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वस्तुओं और सेवाओं की खरीद से संबंधित भुगतानों को बाहर रखा गया है।

चार्ट 45: भारतीय डिजिटलीकरण का वैश्विक तुलना : डिजिटल वाणिज्यिक लेनदेन मूल्य में वृद्धि



आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 43 यूनिर्कॉर्न स्टार्टअप (12 फिनटेक सहित) के साथ भारत ने 2021 में यूनिर्कॉर्न क्लब में शामिल होने वाले स्टार्टअप्स की संख्या के मामले में तीसरा स्थान हासिल किया, जो केवल यूएस और चीन<sup>8</sup> के बाद है।

वित्तीय साक्षरता हासिल करने की दिशा में अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, रिज़र्व बैंक ने 14-18 फरवरी 2022 के बीच “गो डिजिटल, गो सिक्वोर” थीम के साथ अपना वार्षिक वित्तीय साक्षरता सप्ताह आयोजित किया। डिजिटल लेनदेन में सुविधा एवं सुरक्षा और ग्राहक सुरक्षा पर विशेष बल दिया गया। यह, वित्तीय जागरूकता, सकारात्मक धारणा, सुरक्षा और डिजिटल भुगतान अवसंरचना को अपनाने में अधिकाधिक विश्वास के महत्व को स्थापित करने वाले हालिया शोध द्वारा समर्थित है<sup>9</sup>। इन प्रयासों को एनपीसीआई के यूपीआई सुरक्षा और जागरूकता माह<sup>10</sup> के साथ जोड़ा गया। एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) ने नेपाल<sup>11</sup> में प्लेटफॉर्म को सक्षम

<sup>7</sup> <https://www.statista.com/outlook/dmo/fintech/digital-payments/digital-commerce/worldwide?comparison%5b%5d=india>

<sup>8</sup> <https://www.pwc.in/assets/pdfs/services/startups/start-up-perspectives-india-start-up-deals-tracker.pdf>

<sup>9</sup> <https://link.springer.com/content/pdf/10.1007/s42786-020-00024-z.pdf>

<sup>10</sup> <https://www.npci.org.in/PDF/npci/press-releases/2022/NPCI-Press-Release-NPCI-Announces-UPI-Safety-and-Awareness-Week-and-Month.pdf>

करके यूपीआई के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में बड़ी उपलब्धी हासिल की थी।

## V. निष्कर्ष

वर्तमान भू-राजनीतिक संकट ने वैश्विक समष्टि-आर्थिक वित्तीय परिदृश्य की अनिश्चितता को बढ़ा दिया है, यहां तक कि विश्व अर्थव्यवस्था महामारी से उबरने के लिए संघर्ष कर रही है।

तेल और गैस की बढ़ती कीमतों और अस्थिर वित्तीय बाजार की स्थितियों ने अभी भी अपूर्ण वैश्विक सुधार के लिए नई बाधाएं खड़ी की हुई हैं। इस परीक्षा की घड़ी के बीच, भारत घरेलू मोर्चे पर लगातार प्रगति कर रहा है क्योंकि यह तीसरी लहर से उबर रहा है। भारत के समष्टि-आर्थिक आधार मजबूत बने हुए हैं। वैश्विक घटनाक्रम फिर भी स्पिलओवर के मामले में नकारात्मक जोखिम पैदा कर सकता है।

<sup>11</sup> <https://www.npci.org.in/PDF/npci/press-releases/2022/NIPL-Press-Release-Gateway-Payment-Service-and-Manam-Infotech-join-hands-to-deploy-UPI-समाधान-इन-नेपाल.pdf>